महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

# मालवा हेराल्ड


**सुविचार**

मौन रहना एक साधना है, और सोच समझ कर बोलना एक कला


वर्ष : 16 अंक : 297 | उज्जैन, गुरुवार 09 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए


## कृषि, परंपरा और नवाचार के समन्वय से मध्यप्रदेश बना कृषि विकास का अग्रणी राज्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**किसानों को आधुनिक तकनीक से वैज्ञानिक खेती और बेहतर मार्केट लिंकेजेस से सशक्त कर रही है राज्य सरकार**

**भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। मध्यप्रदेश में कृषि और कृषि से जुड़े व्यवसायों को सह अस्तित्व की दृष्टि से बड़े सम्मान के साथ देखा गया है। समृद्ध किसान-समृद्ध मध्यप्रदेश की थीम के साथ पूरे वर्ष प्रदेश में कृषि उत्सव मनाया जा रहा है। कृषि के माध्यम से हमें प्रकृति के साथ जीने का अवसर मिलता है। देश में कृषि की परंपरा लाखों साल पुरानी है। भीम बैठिका में पुरातन काल से कृषि की परंपरा के शैलचित्र देखने को मिलते हैं। हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों सालों से कृषि के साथ जीने का मार्ग दिखाया है। भारतीय संस्कृति में खेती के प्रति आदर का भाव है। देश की धरती अन्न के रूप में सोना उगल रही है। देश में कभी अनाज का संकट आया था, लेकिन आज हमारे कृषि वैज्ञानिक नई-नई किस्में विकसित कर अनाज उत्पादन को बढ़ा रहे हैं। राज्य सरकार खेती को लाभकारी बनाने के लिए संकल्पित भाव के साथ आगे बढ़ रही है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की भावना के अनुरूप जय किसान, जय जवान में जय विज्ञान जोड़ा गया था, वर्तमान दौर में हम, इसमें जय अनुसंधान भी जोड़ रहे हैं। प्रदेश में किसानों को हम केवल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि किसानों को आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक खेती और बेहतर मार्केट लिकेंजेस से भी सशक्त बना रहे हैं। कृषि मंथन कार्यशाला किसानों के अनुभव, विज्ञान के नवाचार, सरकार की नीतियों और बाजार की संभावनाओं को एक सूत्र में पिरोने का सशक्त प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में कृषि मंथन कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर तथा गौमाता का पूजन कर कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर उन्नत बीज प्रसंस्करण, औषधीय पौध प्रजाति, खाद्य प्रसंस्करण एवं उन्नत कृषि फसलों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जनजातीय समुदाय के कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य एवं वाद्य यंत्रों से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में 23 करोड़ 21 लाख की लागत के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण कर विकास की सौगाते दी। इनमें प्रमुख रूप से 13 करोड़ रूपये की लागत से बने जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के नवीन प्रशासनिक भवन, 1.11 करोड़ रूपये लागत के बोहानी गन्ना अनुसंधान केन्द्र के प्रशासनिक भवन, 1 करोड़ रूपये लागत के बालाघाट जिले के कृषि महाविद्यालय वारासिवनी के कौशल विकास केन्द्र के साथ ही जबलपुर में 1.26 करोड़ रूपये से बने स्वचालित तरल जैव उर्वरक उत्पादन केन्द्र का लोकार्पण किया। साथ ही किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की 4 करोड़ 92 लाख रूपये से निर्मित 4 इकाइयों का भी लोकार्पण किया गया, इसमें रीवा एवं शहडोल के ज्ञान प्रसार केन्द्र शामिल है।

कृषि स्टार्ट-अप्स के साथ ही विभिन्न योजना के हितग्राहियों को हितलाभ का किया वितरण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यशाला में भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित 10 स्टार्ट-अप्स को 10 करोड़ रूपये से अधिक के स्वीकृति आदेश का वितरण किया। साथ ही कृषक अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने को लेकर पीपीव्ही, एफआर ऑथॉरिटी नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को प्रदान किया। उन्होंने कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करने के साथ ही विभिन्न विभागों के द्वारा संचालित योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि कल्याण वर्ष में हमें और आगे बढ़ना है। प्रदेश में विकास की अपार संभावनाएं हैं। हमारे मेहनतकश किसानों ने प्रदेश को दलहन उत्पादन में शीर्ष स्थान दिलवाया, यह हमारे लिए गर्व का विषय है। अब हम तिलहन और अन्न सहित हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश के किसान तीसरी फसल भी ले रहे हैं। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए परंपरागत बीजों के स्थान पर उन्नत किस्म के बीज किसानों को उपलब्ध कराये जाएंगे। इससे हमारी कृषि उत्पादन क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। राज्य सरकार पशुपालन, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, आधुनिक यंत्र सभी को साथ जोड़कर किसानों की आय दोगुना करने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती का रकबा बढ़ा है। मध्यप्रदेश, देश में सर्वाधिक प्राकृतिक खेती करने वाला राज्य है।

## न्यूज ब्रीफ

### भारत ने अमेरिका-ईरान सीजफायर का किया स्वागत, होर्मुज पर सीधा और साफ संदेश; क्या कहा?

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** भारत ने बुधवार को अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के सशर्त युद्धविराम का स्वागत किया और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट से बिना रोकटोक आवागमन की मांग की। नई दिल्ली ने पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की जल्द बहाली की उम्मीद जताते हुए कहा कि संवाद और कूटनीति के जरिए तनाव को कम करना ही इस संघर्ष को समाप्त करने का एकमात्र रास्ता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम युद्धविराम का स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होगी। जैसा कि हम पहले से लगातार कहते रहे हैं, तनाव कम करना, संवाद और कूटनीति के माध्यम से मौजूदा संघर्ष को जल्द समाप्त करना आवश्यक है। इस संघर्ष से लोगों को पहले ही भारी पीड़ा झेलनी पड़ी है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापार नेटवर्क बाधित हुए हैं। जायसवाल ने आगे कहा कि भारत को उम्मीद है कि होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों का निर्बाध आवागमन और वैश्विक वाणिज्य का प्रवाह बना रहेगा। उन्होंने यह भी आशा जताई कि पश्चिम एशिया में हो रहे सकारात्मक विकास से यूक्रेन में शांति प्रयासों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। भारत ने फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस जलमार्ग से होकर होने वाले लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल और एलएनजी परिवहन को सुचारू रखने पर जोर दिया है। होर्मुज से भारतीय जहाजों के आवागमन पर जायसवाल ने कहा कि भारत घटनाक्रम पर सतर्क नजर रखे हुए है। भारत ने ईरान समेत कई देशों और हितधारकों से संपर्क कर अपने जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से स्ट्रेट पार कर चुके हैं। इस दौरान प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान द्वारा होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर किसी प्रकार का शुल्क वसूलने को लेकर भारत के साथ कोई चर्चा नहीं हो रही है।

### मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरातियों पर किए कमेंट के लिए मांगी माफी, बोले- हमेशा रहेगा सम्मान

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** केरल विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान गुजरात के लोगों पर की गई टिप्पणी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने माफी मांगी है। उन्होंने कहा है कि उनकी टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है, लेकिन फिर भी वह खेद व्यक्त करते हैं। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, हाल ही में केरल में दिए गए मेरे एक चुनावी भाषण की कुछ टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। फिर भी, मैं अपनी तरफ से जिम्मेदारी के साथ खेद व्यक्त करता हूं। गुजरात के लोगों के प्रति मेरे मन में हमेश सर्वोच्च सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा। वहां के लोगों की भावनाओं को आहत करना मेरा कभी उद्देश्य नहीं था। दरअसल, पिछले दिनों केरल चुनाव के दौरान प्रचार करते हुए खरगे ने एक रैली को संबोधित किया था, जहां पर उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधा था। हालांकि, इस दौरान उन्होंने गुजरात के लोगों का जिक्र किया, जिससे काफी विवाद हुआ। खरगे ने कहा था, ÷मोदी जी, आप गुजरात के अनपढ़ लोगों को बेवकूफ बना सकते हैं, लेकिन केरल के लोगों को बेवकूफ नहीं बना सकते।÷ खरगे की टिप्पणी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने व्यापक निंदा की थी और आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी के डीएनए में गुजरात विरोधी जहर बहता है और माफी की मांग की।

## कौन हैं लीमा रोज मार्टिन, तमिलनाडु चुनाव की सबसे अमीर उम्मीदवार? 1000 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव एक चरण में 23 अप्रैल को होगा। इस चुनाव में इस बार एक ऐसी उम्मीदवार उतर रही हैं, जिनके पास 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति है।

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम की उम्मीदवार लीमा रोज मार्टिन, जो लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन की पत्नी हैं और त्रिची की लालगुडी सीट से तमिलनाडु विधानसभा चुनाव लड़ रही हैं। लीमा ही इस बार के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की सबसे अमीर उम्मीदवार हैं।

तमिलनाडु चुनाव की सबसे अमीर उम्मीदवार- लीमा ने सोमवार को अपने नामांकन पत्रों के साथ जमा किए गए हलफनामे में कुल 1,049.5 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। इसके साथ ही वह राज्य में चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में सबसे अमीर उम्मीदवार बन गई हैं। लीमा ने अपनी चल संपत्ति का मूल्य 139.6 करोड़ रुपये और अपने पति की चल संपत्ति का मूल्य 3,262 करोड़ रुपये बताया है।

लीमा की अचल संपत्ति का मूल्य 909.9 करोड़ रुपये और उनके पति की अचल संपत्ति का मूल्य 887.3 करोड़ रुपये आंका गया है।

लीमा रोज मार्टिन ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपनी वार्षिक आय 9.8 करोड़ रुपये और अपने पति की वार्षिक आय 11.3 करोड़ रुपये बताई है।

रियल एस्टेट, व्यापार और गेमिंग से कमाया पैसा- लीमा रोज मार्टिन की उम्र 58 साल है। लीमा कोयंबटूर की रहने वाली हैं और इन्होंने एक सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल से छठी कक्षा तक पढ़ाई की है।

## उत्तराखंड में भारी बारिश-बर्फबारी, 17 डिग्री सेल्सियस लुढ़का पारा; 5 साल बाद अप्रैल में एक दिन में सर्वाधिक वर्षा

**देहरादून/ जीएनएस।** उत्तराखंड में मौसम के बदले मिजाज के बीच मूसलाधार वर्षा और जोरदार हिमपात से अप्रैल में कंपकंपी छुड़ा दी है। वर्ष 2020 के बाद उत्तराखंड के कई इलाकों में अप्रैल में एक दिन में सर्वाधिक वर्षा रिकार्ड की गई है। पर्वतीय जिलों में अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है। जबकि, मैदानी क्षेत्रों में भी पारे में भारी गिरावट दर्ज की गई।

वर्षा-बर्फबारी के कारण जहां फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है, वहीं बर्फबारी के कारण चारधाम में यात्रा की तैयारियां प्रभावित हो रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आज भी पर्वतीय क्षेत्रों में आंशिक बादल छाने और गरज-चमक के साथ वर्षा होने के आसार हैं। मैदानी क्षेत्रों में मौसम शुष्क रह सकता है। बीते मंगलवार से ही उत्तराखंड के ज्यादातर क्षेत्रों में बादलों का डेरा रहा और हल्की बौछारों के दौर चलते रहे। इसके बाद देर रात पहाड़ से मैदान तक वर्षा का सिलसिला शुरू हुआ। देहरादून समेत कई क्षेत्रों में चार घंटे से अधिक मूसलाधार वर्षा हुई। बुधवार को दोपहर बाद भी हल्की वर्षा का क्रम बना रहा। इस दौरान चंपावत में सर्वाधिक 85 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई। इसके अलावा दून में भी 24 घंटे के भीतर करीब 20 मिमी वर्षा हुई।

कुमाऊं के ज्यादातर क्षेत्रों में दिनभर झमाझम वर्षा होती रही। बदरीनाथ-केदारनाथ समेत चारों धाम, हेमकुंड साहिब, औली समेत तमाम चोटियों पर भर हिमपात के कई दौर हुए। वर्षा-बर्फबारी के कारण प्रदेशभर में शीत लौट आई। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट आने से कड़ाके की ठंड महसूस की गई।

## 3,000 कैमरे और 200 पर्यवेक्षक... बंगाल में हिंसा रोकने के लिए आयोग की हाई-टेक निगरानी

**कोलकाता/ जीएनएस।** चुनावी माहौल के बीच किसी भी प्रकार की हिंसा और अशांति को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए चुनाव आयोग ने व्यापक निगरानी व्यवस्था लागू कर दी है। विभिन्न जिलों से लगातार हिंसा और तनाव की खबरों के बीच पहले चरण के मतदान से लगभग दो सप्ताह पहले आयोग ने अपनी तैयारियां और तेज कर दी हैं।

आयोग द्वारा एक अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष तैयार किया गया है, जहां 90 उन्नत टेलीविजन स्क्रीन के माध्यम से मतदान से जुड़ी हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। इस नियंत्रण कक्ष में 200 सूक्ष्म पर्यवेक्षक चौबीसों घंटे तैनात रहेंगे, जो प्रत्येक स्थिति पर पैनी नजर रखेंगे।

3,000 कैमरे से निगरानी- आयोग के सूत्रों के अनुसार, निगरानी केवल मतदान केंद्रों के भीतर और बाहर ही नहीं, बल्कि आसपास के महत्वपूर्ण मार्गों और जांच चौकियों पर भी की जाएगी।

इसके लिए राज्यभर में लगभग 3,000 कैमरे पहले ही लगाए जा चुके हैं। स्थिर कैमरों के साथ-साथ गश्ती वाहनों पर लगे विशेष कैमरों का भी उपयोग किया जा रहा है, जिससे हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके।

आयोग के विशेष पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने बताया कि इस बार निगरानी प्रणाली में अत्याधुनिक तकनीक का विशेष उपयोग किया जा रहा है।

24 घंटे होगी निगरानी - नियंत्रण कक्ष में आने वाले सीधे प्रसारण दृश्यों के विश्लेषण के लिए विशेष साफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके माध्यम से भीड़ में मौजूद व्यक्तियों की पहचान करना संभव होगा।

यदि कहीं भी मतदान केंद्र के आसपास संदिग्ध भीड़ या गतिविधि दिखाई देती है, तो तुरंत सूक्ष्म पर्यवेक्षकों का ध्यान उस ओर आकर्षित होगा, जिससे शीघ्र कार्रवाई की जा सकेगी।

मतदान प्रक्रिया को पूरी तरह सुरक्षित और निष्पक्ष बनाने के लिए मतदान से एक दिन पहले ही सभी केंद्रों पर कैमरे सक्रिय कर दिए जाएंगे।

संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। ऐसे प्रत्येक केंद्र के अंदर दो और बाहर एक, इस प्रकार कुल तीन कैमरे लगाए जाएंगे।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस बार किसी भी प्रकार की हिंसा या गड़बड़ी को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और हर स्तर पर सख्त निगरानी सुनिश्चित की जाएगी।

## अमेरिका-ईरान सीजफायर पर आ गया भारत का रिएक्शन

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** भारत के विदेश मंत्रालय ने आज एक आधिकारिक बयान जारी कर अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के सीजफायर का स्वागत किया है। बयान में कहा गया है कि यह सीजफायर पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की ओर एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। भारत सरकार ने लंबे समय से तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति पर जोर दिया है जिससे चल रहे संघर्ष का जल्द समाधान निकल सके। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता ने बयान में कहा, हम सीजफायर तक पहुंचने का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि यह पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की ओर ले जाएगा। जैसा कि हम पहले से लगातार वकालत कर रहे थे, तनाव कम करना, संवाद और कूटनीति चल रहे संघर्ष को जल्द समाप्त करने के लिए आवश्यक हैं। इस संघर्ष ने लोगों को भारी पीड़ा दी है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापार नेटवर्क को बाधित किया है। हम उम्मीद करते हैं कि स्ट्रेट ऑफ हार्मुज में बिना किसी रोक-टोक के वैश्विक जहाजों की आवाजाही जारी रहेगी। यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच मध्यरात्रि में हुए सीजफायर समझौते के कुछ घंटों बाद आया है।

## बिहार में सत्ता परिवर्तन का काउंटडाउन शुरूः BJP ने बुलाई मीटिंग, 2 दिग्गज नेताओं पर रहेगी नजर

**पटना/ जीएनएस।** सत्ता परिवर्तन की तैयारियों को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने शुक्रवार को बिहार के नेताओं की दिल्ली में बैठक बुलाई है। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री द्वय सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा के अतिरिक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी एवं कोर ग्रुप के सदस्य सम्मिलित होंगे।

पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति में यह बैठक होगी। बिहार में नई सरकार के गठन के बीच दिल्ली में हो रही यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है। संभावना है कि विधान मंडल दल की बैठक बुलाने से लेकर नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह जैसी तैयारियों पर भी चर्चा होगी। उधर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान को लेकर भी 10 अप्रैल को बिहार भाजपा नेताओं की दिल्ली में बैठक होगी। इस बैठक में भी प्रदेश के नेतागण सम्मिलित होंगे।

प्रशिक्षण को लेकर दिल्ली में सभी प्रदेशों के अधिकारियों की बैठक बुलाई गई है। बिहार के 1420 मंडलों में यह प्रशिक्षण महाअभियान चलेगा। इसके बाद जिलास्तर पर यह अभियान चलाया जाएगा। नीरज के सरकारी घर पर पोस्टर लगा-भविष्य दमदार, निशांत कुमार हैं तैयार- दूसरी ओर, जदयू के मुख्य प्रवक्ता एवं विधान परिषद के सदस्य नीरज कुमार ने अपने सरकारी आवास पर एक पोस्टर लगाकर दावा किया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार विरासत संभालने के लिए तैयार हैं। बुधवार की सुबह लगाए गए इस पोस्टर की राजनीतिक गलियारे में चर्चा हो रही है।

पोस्टर में नीतीश के साथ निशांत की तस्वीर है। नारा है-विरासत मजबूत, भविष्य दमदार, निशांत कुमार हैं तैयार। इसमें जदयू का चुनाव चिह्न तीर भी है।

जदयू के मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विरासत को संभालने और उसे और गरिमापूर्ण ढंग से आगे बढ़ाने के लिए निशांत कुमार सक्षम हैं।

## इस्तीफे से पहले नरेंद्र मोदी और अमित शाह से मिलेंगे नीतीश कुमार, दिल्ली में क्या होगी बात?

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस्तीफा देने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर सकते हैं। सीएम नीतीश कुमार का गुरुवार को दिल्ली दौरा प्रस्तावित है। शुक्रवार, 10 अप्रैल को उनका राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ग्रहण होगा। 11 अप्रैल को उनका वापस पटना लौटने का कार्यक्रम है। इससे पहले राष्ट्रीय राजधानी में उनकी भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात संभव है। इस दौरान बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर चर्चा हो सकती है।

नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के सूत्रों के अनुसार, नीतीश कुमार अपने आगामी दिल्ली दौरे में पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह से भी मुलाकात करेंगे। हालांकि, बैठक की तारीख और समय अभी तय नहीं हुआ है।

वहीं, जेडीयू के वरीय नेता एवं मंत्री विजय चौधरी ने बुधवार को पटना में मीडिया से बातचीत में कहा कि नीतीश के कल (9 अप्रैल) को पटना से दिल्ली जाने का कार्यक्रम है। शुक्रवार को वे राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेंगे। सूत्रों के अनुसार, नीतीश कुमार पटना लौटने के बाद किसी भी दिन मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। वह एमएलसी पद पहले ही छोड़ चुके हैं। बीते 16 मार्च को उन्होंने राज्यसभा का चुनाव जीता था और 30 मार्च को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। नीतीश पूर्व में कह चुके हैं कि वह अपनी इच्छा से राज्यसभा जा रहे हैं और बिहार में नई सरकार को मार्गदर्शन देते रहेंगे। नीतीश कुमार के गुरुवार दोपहर को पटना से दिल्ली जाने का कार्यक्रम है। दिल्ली में वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर जाकर मुलाकात कर सकते हैं। यह मुलाकात शिष्टाचार भेंट होगी। इस दौरान एनडीए के शीर्ष नेताओं के बीच बिहार में मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम और एनडीए की नई सरकार के गठन को लेकर चर्चा भी की जा सकती है। नीतीश के बाद अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर भी मोदी और शाह से सीएम की बात हो सकती है।

# गूगल मैप के रियल टाइम ट्रैफिक सिस्टम से इंदौर में स्मार्ट यातायात प्रबंधन की पहल

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर के यातायात को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से इंदौर यातायात पुलिस ने गूगल मैप के रियल टाइम ट्रैफिक ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग शुरू कर दिया है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त (यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यह पहल लागू की जा रही है।

यातायात पुलिस द्वारा आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देते हुए अब गूगल मैप के माध्यम से शहर के विभिन्न मार्गों पर यातायात की वास्तविक समय स्थिति का लगातार आकलन किया जा रहा है। यह सिस्टम मोबाइल लोकेशन डेटा और जीपीएस तकनीक के आधार पर सड़कों पर वाहनों की गति और घनत्व का विश्लेषण करता है, जिससे ट्रैफिक की स्थिति रंगों के माध्यम से स्पष्ट दिखाई देती है।

इस प्रणाली के तहत हरा रंग सामान्य और सुचारू यातायात को दर्शाता है, पीला रंग धीमी गति से चल रहे ट्रैफिक को और गहरा लाल रंग अत्यधिक दबाव या जाम की स्थिति को संकेत करता है। इस जानकारी के आधार पर यातायात पुलिस उन क्षेत्रों की तुरंत पहचान कर रही है जहां ट्रैफिक का दबाव अधिक है।

यातायात दबाव की सूचना मिलते ही पेट्रोलिंग टीमें मौके पर तत्काल पहुंचकर यातायात को नियंत्रित करने, डायवर्जन लागू करने और आवश्यकतानुसार मैन्युअल व्यवस्था करने का कार्य कर रही हैं। इसके साथ ही प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर आवागमन को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

यह सिस्टम दुर्घटना, खराब वाहन या अन्य आकस्मिक परिस्थितियों में भी त्वरित प्रतिक्रिया देने में सहायक सिद्ध हो रहा है। कंट्रोल रूम और फील्ड स्टाफ के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर यातायात पुलिस आमजन को जाम से राहत दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

इस पहल के माध्यम से इंदौर में स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को और अधिक मजबूत किया जा रहा है, जिससे शहरवासियों को बेहतर और सहज यातायात सुविधा मिल सके।

# इंदौर में अतिक्रमण पर बड़ी कार्रवाई

**लगभग 200 करोड़ से अधिक के बाजार मूल्य की बेशकीमती शासकीय भूमि को कराया गया अतिक्रमण मुक्त**

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पिपलिया राव क्षेत्र में चौइथराम हॉस्पिटल के सामने जिला प्रशासन और नगर निगम के संयुक्त अमले ने शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के संबंध में बड़ी कार्रवाई की है । इस कार्रवाई में 200 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की बेशकीमती शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है।

यह कार्रवाई कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में एवं एसडीएम जूनी इंदौर श्री घनश्याम धनगर के मार्गदर्शन में की गई। प्रशासनिक अमले ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को प्रभावी रूप से सम्पन्न किया। श्री धनगर ने बताया कि यह भूमि चोइथराम अस्पताल के ठीक सामने स्थित है। इस भूमि पर खुशबीर सिंह पिता दलजीत सिंह का लंबे समय से कब्जा था। राजस्व न्यायालय से प्रकरण में अतिक्रमण हटाने के आदेश हुए थे ।विगत 25 फरवरी 2026 को अंतिम सूचना पत्र जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। यह भूमि ग्राम पिपलिया राव स्थित सर्वे क्रमांक 19/1, 20/1, 21/1 और 22/2 में स्थित है। इसका कुल रकबा 1.784 हेक्टेयर है।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा है कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी इस प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। कार्यवाही के दौरान तहसीलदार श्री राकेश सस्तिया , श्री कमलेश कुशवाह , नायब तहसीलदार श्री डीपी सोनी, रिमूवल अधिकारी श्री अंकेश बिरथरे , बबलू कल्याणे आदि उपस्थित रहे।

# स्वच्छ इंदौर वार्ड रैंकिंग 2025-26 प्रतियोगिता

**उत्कृष्ट कार्य करनेवाले सफाई मित्र, ड्रेनेज कर्मचारी का भी होगा सम्मान**

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** स्वास्थ्य प्रभारी श्री अश्विनी शुक्ल ने जानकारी देते हुए बताया कि महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशन में शहर के समस्त वार्डों में स्वच्छ इंदौर वार्ड रैंकिंग 2025-26 प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वार्डों एवं जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह दिनांक 09 अप्रैल 2026, प्रातः 11ः00 बजे रवीन्द्र नाट्य गृह में आयोजित किया जाएगा।

इस गरिमामय समारोह में विधायक, सभापति, महापौर परिषद के सदस्य, पार्षदगण, सफाई मित्र, विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वच्छ इंदौर वार्ड रैंकिंग प्रतियोगिता से संबंधित वीडियो प्रस्तुति से की जाएगी, जिसमें शहर के विभिन्न वार्डों में किए गए स्वच्छता प्रयासों एवं नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वार्डों को स्वच्छ वार्ड रैंकिंग के अंतर्गत सम्मानित किया जाएगा।

साथ ही, प्रतियोगिता में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बेस्ट पार्षद को भी विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, शहर के स्वच्छता एवं जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले इंदौर के उत्कृष्ट संस्थानों को भी सम्मान प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान नगर निगम के समस्त 22 जोन क्षेत्रों से चयनित उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों एवं ड्रेनेज कर्मचारियों को भी सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा जाएगा। यह सम्मान उनके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा एवं शहर को स्वच्छ बनाए रखने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने का प्रतीक होगा।

# अभियान में 6242 करोड़ रुपये की लागत से कराए जा रहे 2 लाख 44 हजार से अधिक कार्य

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश में बड़ी संख्या में खेत तालाब, अमृत सरोवर, रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और सूखे कुँओं को नया जीवन देने का कार्य किया जा रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा समूचे अभियान की निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा अभियान के तहत पूरे प्रदेश में जल संरक्षण के 2 लाख 44 हजार से अधिक कार्य किए जा रहे हैं, जिसकी लागत 6242 करोड़ रुपये हैं। इस वर्ष के जल गंगा संवर्धन अभियान में पूर्व के कार्य की पूर्णता पर विशेष जोर दिया गया है। मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद के आयुक्त श्री अवि प्रसाद ने बताया कि इस साल जल गंगा संवर्धन अभियान- 2025 के लंबित कार्यों तथा महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत चल रहे पानी से संबंधित कार्यों की पूर्णता लक्षित की गई है।

लक्ष्य के अनुक्रम में 84 हजार से अधिक कार्य पूरे- प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान- 2026 की प्रगति भी दिखाई देने लगी है। 19 मार्च से शुरू हुए अभियान के तीसरे चरण को महज 20 दिन ही पूरे हुए और 84 हजार से अधिक कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। ये वे कार्य हैं जो पिछले वर्ष अधूरे रह गए थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान में टॉप 5 जिले- जल गंगा संवर्धन अभियान में खंडवा, उज्जैन, खरगोन, डिंडौरी और बालाघाट टॉप 5 जिलों में शामिल हैं।

# विशेष राजस्व अभियान की समय सीमा 25 अप्रैल तक बढ़ाई गई

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इन्दौर जिले के नागरिकों की राजस्व संबंधी समस्याओं और प्रकरणों के त्वरित निराकरण एवं राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करने के उद्देश्य से सम्पूर्ण जिले में चलाये जा रहे विशेष राजस्व अभियान की अवधि को 25 अप्रैल 2026 तक बढ़ाया गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में राजस्व अभियान 30 मार्च तक आयोजित होना था। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने समस्त राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाना सुनिश्चित करें। राजस्व अभियान की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत करें। प्रतिदिन की प्रगति गूगल शीट में दर्ज की जायेगी। संपूर्ण अभियान के समन्वय के लिये प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाता है, जो समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से समन्वय स्थापित कर प्रतिदिन की प्रगति से अवगत करायेंगे। अभियान की पाक्षिक समीक्षा 26 अप्रैल 2026 को की जायेगी। विशेष राजस्व अभियान के दौरान राजस्व कार्यों की प्राथमिकता एवं निरंतरता को दृष्टिगत रखते हुए अभियान की अवधि में समस्त राजस्व अधिकारियों के पूर्व में स्वीकृत अवकाश निरस्त किये गए हैं। अभियान के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया जाएगा एवं जिनके द्वारा संतोषजनक कार्य नहीं किया गया है, उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। आगामी 25 अप्रैल के बाद जिस नागरिक द्वारा नियत दिनांक के पूर्व के लंबित प्रकरणों की सूचना दी जायेगी, उन्हें पुरस्कार स्वरूप 5 हजार रुपये की राशि प्रदाय की जायेगी। यह राशि संबंधित राजस्व अधिकारी से की जायेगी। उल्लेखनीय है कि अभियान के दौरान 28 फरवरी 2026 तक के लंबित राजस्व प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने का लक्ष्य है।

# अप्रैल में छाए बादल, कई जिलों में बूंदाबांदी, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश के ऊपरी वायुमंडल में इस समय तीन चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय हैं जिसके प्रभाव से पूरे प्रदेश में आंधी और वर्षा की स्थिति निर्मित हो गई है। बीते मंगलवार को इंदौर के साथ-साथ ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग में मौसम के स्वरूप में बड़ा बदलाव देखा गया।इंदौर शहर में मंगलवार को दिन भर धूल भरी आंधी चलने के साथ बादलों का डेरा जमा रहा। शहर के विभिन्न हिस्सों में दिन और रात के समय हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई जबकि देर रात भी कुछ इलाकों में बौछारें पड़ीं। बुधवार सुबह से ही ठंडी हवाओं के चलने और आसमान में बादलों की मौजूदगी से तापमान में गिरावट महसूस की जा रही है। मौसम विभाग केंद्र भोपाल ने चेतावनी जारी करते हुए बुधवार को दतिया, निवाड़ी, छतरपुर और टीकमगढ़ जिलों में ओलावृष्टि की संभावना जताई है।

इन जिलों में वर्षा का अलर्ट जारी- मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों के भीतर प्रदेश के 18 जिलों में बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में ग्वालियर, भिंड, मुरैना, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर शामिल हैं। इससे पहले मंगलवार को भी भिंड, श्योपुर, मुरैना, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, निवाड़ी, गुना, अशोक नगर, टीकमगढ़, सतना के चित्रकूट और रीवा में मौसम का बदला हुआ रूप दिखाई दिया था। कई स्थानों पर तेज आंधी के साथ बारिश का क्रम जारी रहा। विशेष रूप से शिवपुरी, दतिया, धार, पीथमपुर और झाबुआ में तेज बारिश दर्ज की गई जबकि रतलाम में धूल भरी आंधी ने जनजीवन को प्रभावित किया।

# डबल इंजन सरकार का एक आदर्श मॉडल बनकर उभरा मध्यप्रदेश

**बेहतर रेल संपर्क से अगले दो सालों में अर्थ-व्यवस्था में आएगा बदलाव**

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अथक प्रयासों के फलस्वरूप मध्यप्रदेश में पिछले दो सालों में रेल सेवाओं और बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। मध्यप्रदेश डबल इंजन सरकार का एक शानदार उदाहरण बनकर उभरा है। अब प्रदेश भारत का चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क है और रेल कनेक्टिविटी में सबसे बड़ी हिस्सेदारी वाले शीर्ष दस राज्यों में से एक है। रेलवे ट्रैक की लंबाई बढ़कर 5,200 किलोमीटर हो गई है, जो देश के कुल रेल नेटवर्क का 7.6त्न है। बेहतर रेल सेवाओं के माध्यम से देश के सभी हिस्सों तक आसानी से पहुँचा जा सकता है। मध्यप्रदेश के लिए आवंटित रेलवे बजट में 24 गुना वृद्धि हुई है। इस वर्ष 15,188 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो एक रिकॉर्ड है। पिछले वर्ष यह राशि 14,745 करोड़ रुपये थी। वर्ष 2009 से 2014 तक, वार्षिक बजट केवल 632 करोड़ रुपये था। वर्तमान में 1,18,379 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न रेल परियोजनाएँ अलग-अलग चरणों में चल रही हैं।

आर्थिक विकास में आयेगी तेजी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से केंद्र सरकार ने कई प्रमुख रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिससे राज्य को आर्थिक परिवर्तन की गति तेज करने में मदद मिली है। इस प्रगति का श्रेय केंद्र और राज्य सरकारों के बीच गहरी आपसी समझ और समन्वय को जाता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जबलपुर-गोंदिया रेलवे लाइन और इंदौर-मनमाड रेलवे लाइन के दोहरीकरण, तथा सिंहस्थ कुंभ मेला - 2028 के संदर्भ में अन्य अधोसंरचना विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी है। बड़ी उपलब्धि यह है कि राज्य में रेल लाइनों का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। अमृत भारत स्टेशन योजना में छह स्टेशनों - कटनी दक्षिण, नर्मदापुरम, ओरछा, सिवनी, शाजापुर और श्रीधाम - पर पुनर्विकास का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा, पूरे राज्य में 74 स्टेशनों को अपग्रेड किया जा रहा है। यात्रियों के लिये 3,163 करोड़ रुपये की आधुनिक सुविधाएँ विकसित की जा रही है। वंदे भारत ट्रेनें यात्रियों के लिए वरदान साबित हुई हैं। इनमें भोपाल-नई दिल्ली, इंदौर-नागपुर, भोपाल-रीवा और खजुराहो-बनारस शामिल हैं। इंदौर और भोपाल में 2 मेट्रो ट्रेनें चल रही हैं, जिनसे शहरी आबादी को राहत मिली है। रायसेन ज़िले के उमरिया गाँव में 1800 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक रेल कोच निर्माण इकाई बनाई जा रही है। इससे 5000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

बड़े राज्यों में सीधा संपर्क- जबलपुर-गोंदिया रेल लाइन के दोहरीकरण से महाकौशल क्षेत्र में बड़ा बदलाव आएगा। इससे पर्यटन, धार्मिक गतिविधियों और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रोजेक्ट में 5,200 करोड़ रुपये से ज़्यादा का निवेश किया गया है। कान्हा नेशनल पार्क और धुआँधार जलप्रपात जैसे पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। इससे जबलपुर सहित मण्डला, सिवनी और बालाघाट जिलों को सीधा लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय और पर्यटन क्षेत्र का विस्तार होगा। कोयला, इस्पात, सीमेंट, खाद्यान्न और उर्वरक के परिवहन में तेजी आयेगी। उद्योगों के लिये मजबूत सप्लाई चेन बनेगी और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इंदौर-मनमाड रेलवे लाइन 18,036 करोड़ रुपये से ज़्यादा की लागत से बनाई जा रही है। इन रेलवे प्रोजेक्ट्स से मध्यप्रदेश को बड़े आर्थिक लाभ की उम्मीद है। इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन धार, खरगौन और बड़वानी जिलों को सीधा लाभ होगा। कृषि और व्यापार बढ़ेगा। बाजरा और अनाज उत्पादक जिलों की पहुँच बड़े बाजारों तक बनेगी। उज्जैन और ओंकारेश्वर जैसे धार्मिक महत्व के शहरों से सम्पर्क बढ़ेगा। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, 3 नई ट्रेनें शुरू की गई हैं। रीवा से पुणे (जबलपुर और सतना होते हुए), जबलपुर से रायपुर (नैनपुर, बालाघाट और गोंदिया होते हुए), और ग्वालियर से बेंगलुरु (गुना और भोपाल होते हुए)। ये सेवाएँ कनेक्टिविटी को और भी बेहतर बनाएँगी।

केंद्रीय मंत्रीमंडल ने 2 बड़े कमर्शियल हब-मुंबई और इंदौर - के बीच 309 किलोमीटर लंबी एक नई रेलवे लाइन को भी मंज़ूरी दी है। इन कमर्शियल केंद्रों को जोड़ने के अलावा, यह प्रोजेक्ट महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के उन क्षेत्रों को भी जोड़ेगा जहाँ अभी रेलवे कनेक्टिविटी नहीं है। यह रेलवे लाइन महाराष्ट्र के 2 ज़िलों और मध्यप्रदेश के 4 ज़िलों से होकर गुज़रेगी। इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 18,036 करोड़ रुपये है, और यह 2028-29 तक पूरा हो जाएगा। यह प्रोजेक्ट पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है। एकीकृत योजना के माध्यम से, यह यात्रा को आसान बनायेगा। सामान और सेवाओं के निर्बाध प्रवाह को संभव बनाएगा।

यह परियोजना महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के 6 जिलों को कवर करेगी। इसमें 30 नए स्टेशन बनाए जाएंगे। इससे बड़वानी जैसा आकांक्षी जिला भी रेलवे कनेक्टिविटी से लाभान्वित होगा। लगभग 1,000 गांवों और लगभग 30 लाख लोगों को रेलवे कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी। यह परियोजना जवाहरलाल नेहरू पोर्ट गेटवे पोर्ट और अन्य बंदरगाहों को पीथमपुर ऑटो क्लस्टर औद्योगिक केंद्र से भी जोड़ेगी। इस क्लस्टर में 90 बड़े उद्योग और 700 छोटे और मध्यम उद्यम हैं। इसके अतिरिक्त, यह परियोजना मध्यप्रदेश के बाजरा उत्पादक जिलों को महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक जिलों से जोड़ेगी, जिससे इन उत्पादों का देश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों तक परिवहन आसान हो जाएगा।

# जल अभावग्रस्त घोषित हुआ इंदौर, नए बोरिंग कराने पर रोक लागू

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्य प्रदेश के इंदौर में बढ़ती गर्मी के बीच जल संकट के हालात गंभीर होते जा रहे हैं। तालाबों का जलस्तर घटने और भूजल तेजी से नीचे जाने के कारण प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए शहर में नए बोरिंग कराने पर रोक लगा दी है। शहर में गर्मी के चलते तालाबों का जलस्तर लगातार कम हो रहा है। इसका सीधा असर आसपास के क्षेत्रों के भूजल स्तर पर भी पड़ रहा है। कई बोरिंग में पानी कम हो चुका है, जिससे जल संकट की स्थिति बन रही है। प्रशासन ने 30 जून 2026 तक शहर में नए बोरिंग कराने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इंदौर के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों को जल अभावग्रस्त घोषित कर दिया गया है। यह फैसला लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (जलप्रदाय) नगर निगम की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, शहर में भूजल स्त्रोतों का अत्यधिक दोहन हो रहा है, जिससे जलस्तर तेजी से गिर रहा है। यदि स्थिति नहीं सुधरी तो आने वाले समय में जल संकट और गहरा सकता है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 और संशोधन अधिनियम 2002 के तहत पूरे जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। अधिनियम की धारा 6(1) के अंतर्गत जिले में निजी और अशासकीय नलकूप खनन (बोरिंग) पर 30 जून 2026 तक प्रतिबंध लगाया गया है। ऐसी बोरिंग मशीनें जो प्रतिबंध के बावजूद जिले में प्रवेश करेंगी या बोरिंग करने का प्रयास करेंगी, उन्हें जब्त किया जाएगा और संबंधित थाना क्षेत्र में एफआईआर दर्ज की जाएगी।

# प्रदेश में 9 से 23 अप्रैल तक मनाया जाएगा 8वां पोषण पखवाड़ा, बच्चों के मस्तिष्क विकास पर रहेगा विशेष फोकस

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रदेश में 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक 8वां पोषण पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस वर्ष पोषण पखवाड़े का मुख्य थीम जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क का अधिकतम विकास निर्धारित किया गया है। पखवाड़े का औपचारिक शुभारंभ 9 अप्रैल को आंगनवाड़ी केन्द्रों और समुदाय स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा। इस दौरान पोषण पर चर्चा कार्यक्रम के माध्यम से समुदाय के साथ संवाद स्थापित किया जाएगा।

पोषण पखवाड़े में मुख्य रूप से मातृ एवं शिशु पोषण, जन्म से 3 वर्ष तक मस्तिष्क विकास के लिए प्रारंभिक प्रोत्साहन, 3 से 6 वर्ष तक खेल आधारित शिक्षा, बच्चों में स्क्रीन टाइम कम करने में परिवार और समुदाय की भूमिका तथा सशक्त आंगनवाड़ी निर्माण में सामुदायिक सहयोग जैसे विषयों पर गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

वैज्ञानिक तथ्यों के अनुसार मानव मस्तिष्क का लगभग 85 प्रतिशत विकास जन्म से 6 वर्ष की आयु तक हो जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए पोषण पखवाड़े में परिवारों और समुदायों में ऐसे व्यवहारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा, जो बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को मजबूत बनाते हैं।

अभियान के तहत विभिन्न तिथियों पर गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिविर, पोषण संबंधी कहानी वाचन, दादी-नानी के अनुभव साझा कार्यक्रम, स्थानीय खाद्य सामग्रियों से पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता, जंक फूड के दुष्प्रभावों पर जागरूकता रैली, बच्चों के विकासात्मक मील के पत्थरों की पहचान अभियान तथा माता-पिता के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा बच्चों में स्क्रीन टाइम कम करने, खेल आधारित सीखने, माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने तथा सामुदायिक सहयोग से आंगनवाड़ी केन्द्रों को मजबूत बनाने के लिए भी विशेष गतिविधियाँ होंगी। 22 अप्रैल को पंखुड़ी पोर्टल के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए सामुदायिक सहयोग एवं दान अभियान चलाया जाएगा, जबकि 23 अप्रैल को पोषण मेला आयोजित कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रभावशाली व्यक्तियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

पोषण पखवाड़े में सभी जिलों में रैलियां, पोषण वाटिका निर्माण, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर एवं नारा लेखन प्रतियोगिता, सोशल मीडिया अभियान तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही अभियान से संबंधित गतिविधियों की जानकारी पोषण अभियान के जन-आंदोलन डैशबोर्ड पर दर्ज की जाएगी। प्रदेश में इस अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा स्कूल शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों के समन्वय से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

# नगर निगम में बजट सत्र के दौरान हंगामा

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर निगम में बजट पेश होने से पहले भागीरथपुरा दूषित पेयजल कांड को लेकर जमकर हंगामा हुआ। मेयर पुष्यमित्र भार्गव जब शोक प्रस्ताव पढ़ रहे थे, तभी दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों ने मृतकों के पोस्टर लहराते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षाकर्मियों ने पोस्टर छीन लिए लेकिन करीब 10 मिनट तक सदन में हंगामे का माहौल बना रहा। इस पर भाजपा पार्षदों ने आरोप लगाया कि दर्शक दीर्घा में कांग्रेस समर्थक मौजूद थे, जिन्होंने जान-बूझकर हंगामा किया। वहीं कांग्रेस पार्षदों का कहना था कि वहां भागीरथपुरा के पीड़ित लोग मौजूद थे और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि भागीरथपुरा की घटना दुखद है लेकिन विपक्ष के इशारे पर हंगामा किया गया। विवाद बढ़ने पर कुछ समय के लिए हॉल की बिजली बंद हो गई और माइक भी बंद हो गए। शोर-शराबे के बीच मेयर ने शोक प्रस्ताव पढ़े, जिसके बाद बैठक को पांच मिनट के लिए स्थगित कर दिया गया। गौरतलब है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल के कारण 35 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है।

# मालवा मिल में शराब दुकान खुलने का विरोध, सड़क पर बैठी महिलाएं, व्यापारी भी नाराज

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर की मालवा मिल सड़क पर प्रस्तावित नई शराब दुकान को लेकर आज सुबह से ही भारी विरोध प्रदर्शन और हंगामा देखने को मिला। राजकुमार ब्रिज के समीप खुलने वाली इस दुकान का स्थानीय रहवासी पिछले काफी समय से विरोध कर रहे हैं। जैसे ही आज सुबह क्षेत्र के लोगों को यह सूचना मिली कि प्रशासन दुकान को जल्द ही शुरू करने की तैयारी में है, वैसे ही बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और घेराव कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने शासन और प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की और स्पष्ट किया कि वे किसी भी स्थिति में यहां शराब दुकान संचालित नहीं होने देंगे। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। लंबी चर्चा और उचित कार्रवाई के आश्वासन के बाद ही रहवासी सड़क से हटने को तैयार हुए।विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व मुख्य रूप से क्षेत्र की महिलाओं ने किया जो सुबह से ही मालवा मिल की मुख्य सड़क पर धरने पर बैठ गईं। प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना था कि जब तक दुकान को यहां से हटाने का लिखित आदेश नहीं मिल जाता, तब तक वे अपना धरना समाप्त नहीं करेंगी।

# चंदन नगर पुलिस की कार्रवाईः दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी के वाहन बरामद

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में वाहन चोरी की घटनाओं पर नियंत्रण के लिए चंदन नगर पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो पिकअप वाहन, एक मोटरसाइकिल और एक बैटरी बरामद की गई है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशों के तहत की गई, जिसमें पुलिस उपायुक्त जोन-4 श्री आनंद कलादगी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री दिशेष अग्रवाल और सहायक पुलिस आयुक्त अन्नपूर्णा श्री शिवेन्दु जोशी के मार्गदर्शन में थाना चंदन नगर पुलिस टीम ने सफलता हासिल की।

प्रकरण के अनुसार फरियादी अबरार खान, निवासी गंगा कॉलोनी धार रोड, ने 7 अप्रैल 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 6-7 अप्रैल की रात अज्ञात बदमाश उनकी बॉडी रिपेयरिंग दुकान का ताला तोड़कर पिकअप वाहन और तीन बैटरियां चोरी कर ले गए। इस पर थाना चंदन नगर में अपराध क्रमांक 459/2026 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों लालू पिता कांतीलाल मालीवाड़ (21) और दिनेश पिता कमल मानकर ठाकुर (22), दोनों निवासी जवाहर टेकरी क्षेत्र, को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने न केवल उक्त चोरी करना स्वीकार किया, बल्कि पूर्व में दर्ज अन्य मामलों में भी वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देना कबूला।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गए दो पिकअप वाहन, एक मोटरसाइकिल और एक बैटरी बरामद की है। वहीं, इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों संदीप बैरागी और महेश की तलाश जारी है।

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक तिलक कारोले सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर अन्य वारदातों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है।

# नीमच और नागदा विधायक परिहार एवं चौहान ने समाज की उन्नति एवं एकजुटता का दिया संदेश

### सिंह राजपूत सामाजिक संगठन मंदसौर का होली मिलन व वार्षिक सम्मेलन कार्यक्रम सम्पन्न

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सिंह राजपूत सामाजिक संगठन मंदसौर का 20वां होली मिलन एवं वार्षिक सम्मेलन अध्यक्ष अशोकसिंह जादौन एवं प्रबंध कार्यकारिणी पदाधिकारियों के नेतृत्व में राजपूत अतिथियों की उपस्थिति में सिंधु मंडल रिसोर्ट में अतिथि दिलीप सिंह परिहार विधायक नीमच, डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान विधायक नागदा एवं जिला राजपूत समाज मंदसौर के अध्यक्ष रघुनाथसिंह काचरिया, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह गौतम मंदसौर, पूर्व स्लेट पेंसिल कर्मकार मण्डल अध्यक्ष अजय सिंह चौहान तथा उज्जैन के पधारे राजपूत अतिथि अंगद सिंह भदौरिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, शिव सिंह परिहार युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष, अर्जुन सिंह राठौर संगठन मंत्री अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा उज्जैन की उपस्थिति में समाज के पदाधिकारियों के द्वारा साफा एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान बच्चों को राजेन्द्रसिंह चौहान द्वारा अपनी पती स्व. श्रीमती बसंती चौहान (शिक्षिका) की स्मृति में 1100 रुपए प्रत्येक को नगद राशी एवं महिला विंग अध्यक्ष सीमा कुशवाह द्वारा शिल्ड प्रदान कर सम्मानित किया। समाज द्वारा समाज के वरिष्ठजनों व शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए समाजजनों का शाल, श्रीफल व प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मान किया। वार्षिक सम्मेलन में आय-व्यय विवरण सचिव द्वारा प्रस्तुत किया। जिसमें कुल आय 01 लाख 94 हजार 850 सदस्यता/सहयोग राशि में प्राप्त बतायी जाकर व्यय कार्यक्रम के पश्चात् प्रस्तुत किया जाना बताया। अध्यक्ष जादौन द्वारा समाज स्थापना 2006-07 से वर्तमान तक ब्यौरे का उल्लेख करते हुये समाज में फण्ड की कमी को बताते हुये समाज के लिये सभा/विवाह स्थल आवश्यकता के साथ अनेक गतिविधियां युवा-युवती एवं परिवारों की सम्पूर्ण जानकारी हेतु गतिविधियां हेतु पंजीकृत संस्था अनुसार सदस्यता बढ़ाने के साथ 120 रुपए वार्षिक प्रत्येक वयस्क सदस्य से सदस्यता शुल्क माह अप्रैल से जून में लेने तथा सहयोग राशि जनवरी से मार्च में ली जाकर कार्यकारिणी अनुमोदन पश्चात् साधारण सभा में स्वीकृति प्राप्त की जिससे समाज में धीरे-धीरे उत्थान होगा। बड़ी संख्या में उपस्थित समाजजन के विकास पर अतिथियों द्वारा अपने विचारों में दिलीप सिंह परिहार द्वारा संगठन की सराहना के साथ समाज की उन्नति में भूमि/भवन विकास में 5-5 लाख रुपये विधायक श्री डॉ तेज बहादुर सिंह चौहान की ओर से दिये जाने की घोषणा की और समाज के लिये सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया एवं एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन सचिव कमलसिंह चौहान ने किया। आभार समाज के उपाध्यक्ष संदीपसिंह जादौन बोलिया ने माना।

# नीमच में खाद्य औषधि प्रशासन टिम की कार्रवाई

### 2 फार्मो पर किया आकस्मिक निरीक्षण एवं जांच हेतु लिए 10 नमूने

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला कलेक्टर हिमांशु चन्द्रा के निर्देश अनुसार, अभिहित अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन नीमच डॉ. दिनेश प्रसाद के मार्गदर्शन में खाद्य एवं प्रशासन नीमच की टीम द्वारा नीमच में

संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों के खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत आकस्मिक निरीक्षण किए गए एवं निरीक्षण उपरांत जांच के नमूने लिए गए। जिनका विवरण इस प्रकार है ।

फर्म ऊषा डेयरी मानसा रोड इन्दिरा नगर नीमच जिला नीमच का आकस्मिक निरीक्षण कर मौके पर विक्रय हेतु भंडारित खाद्य पदार्थ घी,मावा, भैंस दूध,दही,पनीर के कुल 5 नमूने जांच हेतु लिए गए एवं फर्म श्री चारभुजा दुग्ध डेयरी MI 15 न्यू इन्दिरा नगर नीमच आकस्मिक निरीक्षण कर मौके पर विक्रय हेतु भंडारित खाद्य पदार्थ घी,मावा, भैंस दूध,दही,पनीर कुल 5 नमूने जांच हेतु लिए गए। इस प्रकार कुल 10 नमूने जांच हेतु लिए गए।

समस्त खाद्य कार्यकर्ताओं को मौके पर खाद्य सुरक्षा और मन अधिनियम 2006 एवं नियमों का पालन करने निर्देश दिए और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों के निर्माण आदि के भी निर्देश दिए गए ।

उक्त लिए गए समस्त नमूने जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला ईदगाह हिल्स भोपाल भेजे गए हैं जांच रिपोर्ट प्राप्त करने के उपरांत विधियां अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

जिला कलेक्टर महोदय के निर्देश अनुसार जिलेभर में संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों के आकस्मिक निरीक्षण की कार्यवाही सतत जारी रहेगी। उक्त कार्यवाही खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम खाद्य सुरक्षा अधिकारी यशवंत कुमार शर्मा द्वारा की गई।

## मंदसौर-सीतामऊ मार्ग पर रोजाना हो रही दुर्घटनाओं और दोषपूर्ण व्यवस्था को लेकर मानव अधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मात्र तीन दिनों में जिला मुख्यालय से सीतामऊ सड़क मार्ग पर दुर्घटनाओं में हुई चार मौतें और अन्य घायलों की सुधी लेते हुए मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने तत्काल संज्ञान लिया है। बुधवार को मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष डॉ अवधेश प्रताप सिंह ने प्राप्त सूचना आधार पर मंदसौर से सीतामऊ के 30 किमी सड़क मार्ग में 26 डेंजर पॉईंट, 12 अंधे मोड़, संकेतक गायब यात्रियों नागरिकों वाहन चालकों को पर्याप्त आवश्यक सुविधाओं की कमी होने पर बड़ी दुर्घटना होने का खतरा बना हुआ है यह परेशानी का सबब बन रहा है ।

मंदसौर जिले के मंदसौर-सीतामऊ सड़क मार्ग से शामगढ़ सुवासरा क्यामपुर आगे भानपुरा गरोठ वृत्त को जोड़ने का मुख्य माध्यम है वहीं सीतामऊ सड़क मार्ग से आगे एक्सप्रेस वे 8 लेन भी जुड़ा हुआ होने से यातायात और आवागमन बढ़ गया है ऐसे में बुनियादी रूप से तकनीकी दोष भी सामने आए हैं जिनके समाधान आवश्यक हो गए हैं, इसके अभाव में दुर्घटना बढ़ गई है । रिपोर्ट के अनुसार 30 किमी मार्ग पर 26 खतरनाक पॉईंट, 12 अंधे मोड़, अतिक्रमण और रात के समय मार्ग पर अंधेरा होने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सोमली नदी का अंधा मोड़ दोनों ओर से खतरनाक हो गया है। मंदसौर से निकलते ही लाभमुनि नेत्र अस्पताल क्षेत्र में अतिक्रमण और ट्रैफिक का अत्यधिक दबाव रहता है। इस कारण आये दिन यहां सड़क हादसे होते है और कई लोगों की जान भी जा चुकी है। मामले में संज्ञान लेकर मध्?यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने महाप्रबंधक, एमपीआरडीसी से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है। ज्ञातव्य है कि इस मार्ग पर दुर्घटनाओं को लेकर नागरिकों और ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है । इस मामले में मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए पन्द्रह दिनों में उचित कार्यवाही करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

# सीतामऊ पुलिस द्वारा ग्राम महुवा में हुई चोरी का किया खुलासा, तीन आरोपियो को पकड़ा

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के नेतृत्व में थाना प्रभारी सीतामऊ निरीक्षक कमलेश प्रजापति के द्वारा गठित टीम को ग्राम महुवा में चोरी का पर्दाफाश करने में सफलता मिली है। मामले में 03 आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

मे सफलता प्राप्त की। साथ ही एक नाबालिग भी इसमें आरोपी बना है। घटना अनुसार फरियादी भगवतीलाल पिता मांगीलाल सुरावत उम्र 62 साल निवासी ग्राम महुवा ने थाने पर आकर रिपोर्ट किया कि मे उक्त पते पर रहता हूँ। एक अप्रैल को शाम करीबन 05 बजे घर पर ताला लगाकर अफिम तोल के लिए सीतामऊ विजय पैलेस आया था, फिर में दो अप्रैल को अफिम तौल खत्म होने के बाद दिन में 12 बजे के लगभग घर आया व घर का ताला खोलकर घर के अंदर देखा तो घर के अंदर रखी लोहे की अलमारी का ताला टूटा हुआ था। फिर मैंने अलमारी में रखा सामान को चैक किया तो अलमारी में रखी सोने के आभुषण तीन सोने की चैन (मंगल सुत्र) 12 ग्राम, 08 ग्राम व 11 ग्राम वजनी) की व दो जोड 06 ग्राम 06 ग्राम सोने की कान की झुमकी नहीं मिली। कोई अज्ञात बदमाश दिनांक 01.04.2026 की रात में मेरे घर में छत तरफ से घुसकर मेरी अलमारी का ताला तोडकर उसमें रखी सोने की रकमें को चुरा कर ले गया। इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए 07 अप्रैल को ग्राम महुवा के संदेही दशरथ उर्फ कालु पिता राधेश्याम भांभी से पुछताछ करते दशरथ ने विधि विरुध्द बालक के साथ मिलकर भगवतीलाल सुरावत के घर मे चोरी करना स्वीकार किया। ओर चुराई गई सामग्री को अशोक पिता कन्हैयालाल जैन निवासी काचरिया जाट एवं प्रभात पिता रमेशचन्द्र नलवाया निवासी सीतामऊ के यहा बेचा गया, आरोपी के कब्जे से 180000 रु. व सोने के एक जोड कान के टाप्स किमती 60000 रु. जप्त किये गये। गिरफ्तार आरोपी दशरथ उर्फ कालु पिता राधेश्याम भांभी उम्र 30 साल निवासी महुवा, अशोक पिता कन्हैयालाल जैन उम्र 52 साल निवासी काचरिया जाट, प्रभात पिता रमेशचन्द्र नलवाया जाती जैन निवासी सीतामऊ एवं एक विधि विरुध्द बालक है। वांछीत आरोपी अशोक निवासी सीतामऊ है, जिसकी तलाश की जा रही है। उक्त सराहनीय कार्य मे निरीक्षक कमलेश प्रजापति थाना प्रभारी थाना सीतामऊ, व गठीत टीम का विशेष योगदान रहा।

## 10 क्विंटल डोडाचूरा मामले में आरोपी 7 दिन रिमांड पर, सप्लायर की तलाश तेज, पिपलियामण्डी के बाबूखेड़ा में दबिश

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नारायणगढ़ पुलिस द्वारा पकड़े गए 10 क्विंटल से अधिक डोडाचूरा मामले में पुलिस आरोपी को डोडाचूरा देने वाले आरोपी की तलाश में जुट गई है। बुधवार को आरोपी को साथ नारायणगढ़ पुलिस आरोपी को लेकर पिपलियामंडी थाना क्षेत्र के बाबूखेड़ा गांव पहुंची, जहां से अवैध मादक पदार्थ भरवाया गया था। यहां बाबा नामक संदिग्ध सप्लायर की तलाश में पुलिस ने दबिश दी, हालांकि उसके फरार होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस रिमांड पर चल रहे आरोपी बुटा सिंह से पूछताछ में सामने आया है कि वह पहले भी मादक पदार्थ परिवहन में लिप्त रहा हो सकता है। मोबाइल कॉल डिटेल्स और संपर्क नंबरों के आधार पर पुलिस तस्करी के नेटवर्क को खंगाल रही है। ÷बाबा÷ नामक व्यक्ति से उसका संपर्क मोबाइल के जरिए हुआ था, जिसने बाबूखेड़ा से डोडाचूरा भरवाकर पंजाब पहुंचाने की जिम्मेदारी दी थी। पुलिस टीम ने बाबूखेड़ा गांव में संभावित ठिकानों पर जांच की और स्थानीय लोगों से पूछताछ भी की। सूत्रों के अनुसार, पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर जल्द ही सप्लायर तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि मामला केवल एक खेप तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह सक्रिय हो सकता है। पुलिस अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान करने में जुटी है और जरूरत पड़ने पर टीम को पंजाब भी भेजा जाएगा। गौरतलब है कि मंगलवार को नारायणगढ़ पुलिस ने बरखेड़ा-वीरपुरिया फंटा के पास घेराबंदी कर आयशर ट्रक से 42 कट्टों में भरा 10 क्विंटल 2 किलो डोडाचूरा जब्त किया था। इस मामले में वाहन मालिक बुटा सिंह को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस के अनुसार तस्करी के इस मामले में हर एंगल से जांच की जा रही है। फरार सप्लायर की तलाश जारी है।

# कलेक्टर अदिति गर्ग ने धुंधड़का स्थित नायब तहसीलदार न्यायालय का आकस्मिक निरीक्षण किया

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण को लेकर कलेक्टर अदिती गर्ग लगातार सक्रिय रूप से मॉनिटरिंग कर रही हैं। इसी क्रम में बुधवार को कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने धुंधड़का स्थित नायब तहसीलदार न्यायालय का आकस्मिक निरीक्षण किया और वहां लंबित प्रकरणों की स्थिति का विस्तृत अवलोकन किया।

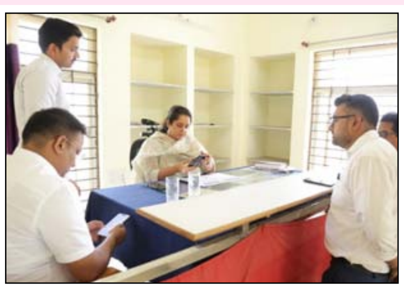

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने न्यायालय में लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि 6 माह से 1 वर्ष तक के लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरण आमजन से सीधे जुड़े होते हैं, इसलिए इनमें अनावश्यक विलंब कतई स्वीकार्य नहीं होगा। कलेक्टर ने 3 माह से 6 माह तक लंबित मामलों को भी जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रतिदिन नियमित रूप से न्यायालय में बैठकर प्रकरणों की सुनवाई करें और समयबद्ध तरीके से उनका समाधान सुनिश्चित करें। भूमि आवंटन से जुड़े प्रकरणों पर विशेष ध्यान देते हुए कलेक्टर ने कहा कि इन मामलों को किसी भी स्थिति में लंबित न रखा जाए। उन्होंने नामांतरण, सीमांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों की भी समीक्षा की और सभी मामलों में पारदर्शिता एवं गति बनाए रखने पर जोर दिया। कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को त्वरित एवं सरल न्याय उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, इसलिए सभी प्रकरणों का समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, एसडीएम मंदसौर श्री शुभम पाटीदार, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# थाना दलौदा पुलिस की सफलता, अपर्हता बालिका को गुजरात बार्डर से किया बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेशव्यापी नाबालिक बालक /बालिकाओं को खोजने हेतु मध्यप्रदेश के सभी जिलों मे आपरेशन मुस्कान अभियान संचालित किया जा रहा है, उक्त तारतम्य मे जिला मन्दसौर श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय मंदसौर श्री विनोद कुमार मीणा के द्वारा गुम नाबालिग बालक-बालिकाओ के दस्तयाबी हेतु चलाये जा रहे मुस्कान अभियान के तहत निर्देश जिले के सभी थाना प्रभारीयों को दिये गये। जिसके पालन मे दलोदा पुलिस टीम ने गुजरात बार्डर के पास से अपर्हत बालिका को आरोपी अनिल पिता जोगडा पाण्डा जाति भील नि. भीम फालिया के कब्जे से गुजरात बार्डर के पास ग्राम पिटोल जिला झाबुआ से बरामद करने में सफलता प्राप्त की ।

घटना इस प्रकार है कि दिनांक 7.03.2026 को सूचनाकर्ता द्वारा अपनी नाबालिग बालिका के अपहरण होने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी रिपोर्ट पर से थाना दलोदा पर अपराध धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना मे लिया गया बाद थाना प्रभारी द्वारा गठित टीम को रवाना कर घटना स्थल अन्य संभावित स्थानो पर तलाश करते विश्वशनीय मुखबीरो एवं सूचनाकर्ता के रिश्तेदारो की मदद से सुचना संकलन कर अपने व्यवसायिक कौशल का उपयोग कर गुजरात बार्डर के पास से पिटोल जिला झाबुआ से नाबालिग बालिका को आरोपी अनिल पिता जोगडा पाण्डा जाति भील नि. भीम फालिया के कब्जे से सकुशल दस्तयाब कर माता पिता को सुपुर्द किया। इस सराहनिय कार्य में उनि शुभम व्यास थाना प्रभारी दलौदा, सउनि तेजसिंह डामोर,आर परिमाल सिंह म. आर. राखी गुर्जर, प्र.आरक्षक मुजफ्फर साइबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## मंदसौर की सब-जूनियर बेसबॉल टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु इंदौर रवाना

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले की सब-जूनियर बेसबॉल टीम 9 से 11 अप्रैल 2026 तक इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हुई। टीम के प्रस्थान से पूर्व जिला बेसबॉल संघ मंदसौर के अध्यक्ष श्री हिम्मत डांगी ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया एवं प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्री डांगी ने सभी खिलाड़ियों को टीम की टी-शर्ट वितरित की तथा कहा कि यह केवल एक ड्रेस नहीं बल्कि टीम की पहचान और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे पूरी लगन, अनुशासन और खेल भावना के साथ खेलें तथा मंदसौर जिले का नाम गौरवान्वित करें। कोच एवं खेल शिक्षकों ने भी खिलाड़ियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया। खिलाड़ियों में प्रतियोगिता को लेकर काफी उत्साह देखा गया और सभी खिलाड़ी पूरे आत्मविश्वास के साथ इंदौर के लिए रवाना हुए। पूरे मंदसौर जिले की ओर से टीम को शानदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी गई।

## जिले के सभी विकासखण्डों में बीमार पशु को खड़ा करने हेतु मशीनें उपलब्ध

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के तीनों विकासखण्ड मुख्यालयों पर बडे पशु जो किसी बिमारी के कारण स्वयं खड़े नहीं हो पा रहे हैं उनको मशीन की सहायता से खड़ा करने हेतु काऊ लिफ्टिंग मशीन उपलब्ध करवाई गयी है। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ.राजेश पाटीदार ने बताया, कि जिला पशु कल्याण समिति अध्यक्ष एवं कलेक्टर हिमांशु चन्द्रा की पहल पर प्रत्येक विकासखण्ड में एक-एक काऊ लिफ्टिंग मशीन उपलब्ध करवाई गई है। पशुपालक विकासखण्ड मुख्यालय के पशु चिकित्सक से सम्पर्क कर इसे सुविधा का लाभ ले सकते है। मशीन उपलब्ध करवाते समय पशुपालक को राशि तीन हजार रूपये सुरक्षा निधि के रूप में जमा करवानी होगी तथा प्रतिदिन का किराया 100 रूपये के मान से भुगतान करना होगा। मशीन जमा करवाने पर किराया काटकर शेष सुरक्षा निधि एवं रसीद पशुपालक को लौटा दी जायेगी मशीन जिस स्थिति में दी जाएगी वैसी स्थिति में लौटानी होगी। उपरोक्त सुविधा से एक तरफ जहाँ गम्भीर बीमार पशुओं के उपचार से सहायता मिलेगी, वही जिला पशु कल्याण समिति की आय में वृद्धि होगी।

## जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क विकास पर फोकस

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पोषण अभियान के तहत जिले में आठवां पोषण पखवाड़ा 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जा रहा हैं। यह पखवाडा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया, कि इस वर्ष पोषण पखवाड़े की मुख्य थीम जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क का अधिकतम विकास हैं। वैज्ञानिक तथ्यों के अनुसार, मानव मस्तिष्क का लगभग 85 प्रतिशत विकास जन्म से 6 वर्ष की आयु तक हो जाता हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए पोषण पखवाड़े का उद्देश्य परिवारों और समुदाय को उन व्यवहारों के प्रति जागरूक करना है, जो बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायक हों।

# सेन समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन तैयारी बैठक भादवामाता में संपन्न, सामाजिक एकजुटता को लेकर चर्चा

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सेन समाज संगठन जिला नीमच के तत्वावधान मे नीमच तहसील से समाज संगठन द्वारा 28 अप्रैल 2026 मंगलवार को आरोग्यधाम महामाया भादवा माता मे पाटीदार धर्मशाला पर सेन समाज नीमच का 31 वा सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है जिसकी तैयारी को लेकर मंगलवार को महामाया भादवा माता स्थित पाटीदार धर्मशाला पर बैठक आयोजित की गई ।बैठक की अध्यक्षता जिला सेन समाज अध्यक्ष सुखलाल सेन,वरिष्ठ समाज सेवी नंदकिशोर सेन कुंडला द्वारा की गई अतिथि के रूप में जिला संरक्षक दीपक गहलोत,मांगीलाल सेन मनासा,जिला युवा अध्यक्ष चमन सेन एवं सभी तहसील अध्यक्ष व जिला पदाधिकारी उपस्थित थे ।

अतिथियों द्वारा महामाया भादवा माता के चित्र पर माल्याअर्पण दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।जिला अध्यक्ष सुखलाल सेन ने सभी समाज जनों का स्वागत अभिवादन किया ।नीमच मे आयोजित सेन जयंती महोत्सव की वाहन रैली में जिले के सभी समाज बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का अनुरोध किया और कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया ।समाज बंधु व्हाट्सएप पर किसी के ऊपर आरोप प्रत्यारोप ना करें ।एवं समाज की जाजम पर आकर बात करें ।सोशल मीडिया पर अर्नगल मेसेज को लेकर प्रतिबंधनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए ।समय-समय पर होने वाली बैठकों में खर्चा होता है उसके लिए कोष के निर्माण की व्यवस्था की जायेगी ।और सभी सामूहिक विवाह सम्मेलन मे अधिक से अधिक जोड़ों के पंजीयन को लेकर प्रयास करें ।संरक्षक दीपक गहलोत वकील साहब ने कहा कि सामाजिक एकजुट का बनाए रखने के लिए हम सबको एक रहना जरूरी है और इसके लिए हम सबको सामूहिक सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए वर - वधुओ के अधिक से अधिक पंजीयन हेतु प्रयास करने होंगे ।और इस कार्य के लिए सभी तहसील अध्यक्ष और जिला पदाधिकारी तन मन के साथ जुट जाए ।सम्मेलन अध्यक्ष भगवती प्रसाद सेन भादवा माता में आयोजित सम्मेलन की व्यवस्थाओं एवं वर वधू के पंजीयन के बारे में समाज जनों को बताया और आह्वान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में जोड़ों का पंजीयन करवाये और जिन वधुओ के माता-पिता ना हो उनको 50त्र छूट दी जाएगी ।हरिप्रसाद गहलोत द्वारा विवाह सम्मेलन को लेकर विस्तृत से समाज जनों को जानकारी दी ।

धर्मशाला समिति अध्यक्ष करण कुमार टांक द्वारा धर्मशाला संबंधित जानकारी विस्तृत से समाज जनों को दी एवं धर्मशाला निर्माण हेतु सभी समाज जनों से सहयोग की अपील की ।महिला जिला सेन समाज अध्यक्ष प्रेमलता रामप्रसाद परमार द्वारा महिला सेन समाज कार्यकारिणी एवं तहसील महिला सेन समाज अध्यक्षों की घोषणा की ।सचिव दीपक सोलंकी द्वारा धर्मशाला का आय व्यय प्रस्तुत किया गया ।कार्यक्रम का संचालन भरत सिसोदिया द्वारा किया गया आभार प्रदर्शन नरेंद्र गहलोत द्वारा किया गया इस अवसर पर सेन समाज के जिला पदाधिकारी एव समाज जन उपस्थित थे उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी समरथ सेन पालसोडा, राकेश सेन डीकेन द्वारा दी गई।

# करंट की चपेट में आकर मजदूर की मौत, ठेकेदार पर लापरवाही के आरोप, परिजनों ने मुआवजे और सख्त कार्रवाई की उठाई मांग

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के नीमच सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिपलिया नाथावत में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 35 वर्षीय मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया, वहीं परिजनों ने ठेकेदार सहित संबंधित लोगों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाते हुए मुआवजे और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भोलियावास निवासी नरेंद्र पिता लालूराम माली (उम्र लगभग 35 वर्ष) ठेकेदार लोकेश धाकड़ के अधीन मजदूरी करता था। वर्तमान में वह ग्राम पिपलिया नाथावत में नारायण सिंह के मकान निर्माण कार्य में लगा हुआ था। बुधवार सुबह करीब 10 बजे रेत से भरे डंपर को खाली करने के दौरान यह हादसा हुआ।

ग्राम बरखेड़ा के उपसरपंच अशोक माली ने बताया कि निर्माण स्थल के ऊपर से बिजली के तार गुजर रहे थे, बावजूद इसके ठेकेदार द्वारा सुरक्षा के कोई पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे। बताया गया कि मजदूर नरेंद्र को डंपर पर चढ़ाकर रेत खाली करने के लिए कहा गया। इसी दौरान डंपर चालक ने बिना ऊपर की स्थिति का ध्यान रखे वाहन को आगे-पीछे किया, जिससे डंपर ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों के संपर्क में आ गया और नरेंद्र करंट की चपेट में आ गया।

गंभीर रूप से घायल नरेंद्र को तत्काल जिला अस्पताल नीमच लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए।

परिजनों का आरोप है कि यह हादसा ठेकेदार और डंपर चालक की लापरवाही के कारण हुआ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रेत परिवहन पर प्रतिबंध के बावजूद अवैध रूप से रेत लाई जा रही थी, और संबंधित डंपर के पास वैध रॉयल्टी होने पर भी संदेह है।

मृतक नरेंद्र माली अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था और उसके दो छोटे बच्चे हैं। उसकी अचानक मौत से परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया है। परिजनों ने ठेकेदार, मकान मालिक और डंपर मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ ही उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

फिलहाल नीमच सिटी थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

# सम्पादकीय

## मानवता और ज्ञान के प्रकाश को प्रभावित करती महायुद्ध की काली छाया

महात्मा गांधी ने अहिंसा को मानवता का सबसे बड़ा अस्त्र बताया था,उनका प्रसिद्ध कथन है किआँख के बदले आँख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी। उन्होंने यह भी कहा कि अहिंसा मानवता का परम धर्म है, और यह स्पष्ट किया कि स्थायी शांति केवल सत्य और अहिंसा के मार्ग से ही संभव है, न कि युद्ध से। ज्ञान, संवेदना और मानवता से परे जब महायुद्ध की आहट सुनाई देती है, तब विकास सीमाओं का विस्तार या सत्ता का संघर्ष नहीं होता, बल्कि पूरी मानव सभ्यता अपनी आत्मा के संकट से गुजरती है। यह वही समय होता है जब विज्ञान, जो मानव कल्याण का साधन होना चाहिए था, विनाश का औजार बन जाता है और ज्ञान, जो प्रकाश फैलाने के लिए था, अंधकार को और गहरा कर देता है। आज का महायुद्ध केवल बंदूकों और बमों तक सीमित नहीं रहा, यह तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर हमलों और परमाणु शक्ति के रूप में इतना भयावह हो चुका है कि इसका परिणाम केवल हार-जीत नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है।

गौतम बुद्ध ने करुणा और शांति को जीवन का मूल आधार माना था, उनका संदेश था घृणा से घृणा कभी समाप्त नहीं होती, प्रेम से ही समाप्त होती है। यह विचार बताता है कि युद्ध की आग को केवल प्रेम और समझदारी से ही बुझाया जा सकता है। जब एक देश अपनी शक्ति का प्रदर्शन करता है, तो वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा नहीं करता, बल्कि अनजाने में दूसरे देशों के लिए भय, असुरक्षा और विनाश का कारण भी बन जाता है। यही शक्ति संतुलन की असमानता महायुद्ध की नींव रखती है, जहाँ एक का सामर्थ्य दूसरे के लिए संकट बन जाता है और यह संकट धीरे-धीरे पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लेता है। आज मानवता चीख रही है, रो रही है, क्योंकि जिन हाथों ने मशीनें बनाई थीं, उन्हीं हाथों ने विनाश के हथियार भी गढ़ लिए हैं। वैज्ञानिक प्रगति का यह विडंबनापूर्ण रूप हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम सच में विकसित हुए हैं या केवल विनाश के नए-नए तरीके खोज लिए हैं। युद्ध के मैदान में गिरता हर सैनिक केवल एक शरीर नहीं होता, वह किसी का बेटा, किसी का पिता, किसी का सपना होता है, और जब वह गिरता है, तो उसके साथ कई जीवन बिखर जाते हैं। बच्चों की मासूमियत, माताओं की ममता और बुजुर्गों की आशाएँ इस महायुद्ध की भेंट चढ़ जाती हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या युद्ध का अंत शांति में नहीं हो सकता, क्या संवाद और वार्ता के माध्यम से समाधान नहीं निकाला जा सकता। इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि जहाँ युद्ध ने केवल विनाश दिया, वहीं शांति वार्ताओं ने नए युग की शुरुआत की है।

मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने भी यही कहा कि अंधकार अंधकार को नहीं मिटा सकता, केवल प्रकाश ही ऐसा कर सकता है,और यह प्रकाश केवल शांति और संवाद के माध्यम से ही संभव है। जब राष्ट्र अपने अहंकार और शक्ति प्रदर्शन को त्यागकर एक-दूसरे के साथ बैठते हैं, तो समस्याओं का समाधान निकलता है, क्योंकि संवाद वह सेतु है जो दुश्मनी को भी दोस्ती में बदल सकता है। आज की दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि युद्ध कोई समाधान नहीं, बल्कि समस्याओं को और जटिल बनाने का माध्यम है। विज्ञान का उपयोग यदि मानव कल्याण के लिए किया जाए, तो यह जीवन को सरल और सुंदर बना सकता है, लेकिन यदि इसका दुरुपयोग किया गया, तो यह पूरी सृष्टि को विनाश के कगार पर पहुँचा सकता है।

अल्बर्ट आइंस्टीन जैसे महान वैज्ञानिक, जिन्होंने परमाणु युग की शुरुआत देखी, उन्होंने चेतावनी दी मुझे नहीं पता तीसरा विश्व युद्ध किन हथियारों से लड़ा जाएगा, लेकिन चौथा विश्व युद्ध पत्थरों और लाठियों से लड़ा जाएगा। उनका यह कहना।विज्ञान के दुरुपयोग की भयावह परिणति को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति बलपूर्वक नहीं रखी जा सकती, यह केवल समझ से प्राप्त होती है। हमें यह तय करना होगा कि हम अपने ज्ञान का उपयोग किस दिशा में करना चाहते हैं,सृजन की ओर या विनाश की ओर। महायुद्ध की यह भयावह छाया हमें चेतावनी देती है कि यदि हमने समय रहते अपने मार्ग को नहीं बदला, तो वह दिन दूर नहीं जब मानवता केवल इतिहास की पुस्तकों में ही रह जाएगी। इसलिए आवश्यक है कि विश्व के सभी राष्ट्र अपने मतभेदों को भुलाकर शांति, सहयोग और सह-अस्तित्व के मार्ग को अपनाएँ। युद्ध के स्थान पर यदि हम संवाद को प्राथमिकता दें, तो न केवल संघर्ष टल सकते हैं, बल्कि एक बेहतर और सुरक्षित दुनिया का निर्माण भी संभव है। अंततः यह मानवता की परीक्षा का समय है, जहाँ हमें यह साबित करना होगा कि हम केवल तकनीकी रूप से ही नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय दृष्टि से भी विकसित हैं, और यही विकास हमें महायुद्ध की विभीषिका से बचाकर शांति के मार्ग पर आगे बढ़ा सकता है।

## आत्म सुख का मार्ग है सहज योग

आत्मविनाशी यानि आत्मा को सुख न दे पाने वाले व्यवहार वे हैं जो हमें भावनात्मक, शारीरिक या मानसिक रूप से नुकसान पहुँचाते हैं। यह कभी कभार अंजाने में हो जाता है या हो सकता है कि आप ठीक-ठीक जानते हों कि आप क्या गलत कर रहे हैं, लेकिन कई इच्छायें इतनी प्रबल होती है कि उसे नियंत्रित नहीं किया जा सकता है यानि हम अपनी इच्छाओं के गुलाम हो जाते हैं।

बुरी आदतें जैसे रोज देर रात तक जागने की आदत के कारण स्ट्रेस बढ़ता है। इससे उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, डायबिटीज या डिप्रेशन जैसी समस्या की आशंका बढ़ सकती है। जरुरत से ज्यादा खाने से या फास्ट फूड अधिक खाने से मोटापा बढ़ता है। वजन ज्यादा होने पर शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी बढ़ता है, जिससे हृदय को नुकसान पहुंचता है। इन आदतों से बेबस व्यक्ति क्रोधित और चिड़चिड़ा भी हो जाता है जो हमारे अपने जीवन को त्रस्त कर देता है। नशे की आदत सबसे बड़ी गुलामी है। दरअसल जब हम अपनी बुरी आदतों पर काबू पाने की कोशिश तो करते हैं पर तब हमारे दिमाग के कुछ हिस्से हमारे खिलाफ काम कर रहे होते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, ये आदतें हमारे दिमाग को कठोरता से जकड़े रखती हैं। और मस्तिष्क का भाग उन चीज़ों के लिए तरसता रहता है जिसका विरोध करने की हम बहुत कोशिश कर रहे होते हैं। पर हमेशा हम क्या हमेशा अपनी बुरी आदतों का गुलाम बने रहेंगे। हमें इन बुराईयों से मुक्ति तो चाहिए ना? इस संबंध में हमारी परमपूज्य श्री माताजी ने दिनांक 26 अप्रेल 1993 के प्रवचन में हम सहज योगियों को यह निर्देशात्मक जिम्मेदारी दी है उन्होंने कहा कि, हम नहीं कह सकते हैं कि कितने बचाये जायेंगे। क्या मनुष्य अपनी मूर्खता के कारण, अपनी विनाशकारी आदतों के कारण खो सकते हैं, जो उन्होंने बना ली हैं। लेकिन आपकी (सहज योगियों की) बहुत बड़ी जिम्मेदारी है ऐसा मत सोचो कि मैं किसी काम के लिए अच्छा नहीं हूँ। कभी नहीं, ऐसा कभी मत सोचो। आप सभी संत हैं और आप महान कार्य करने में सक्षम हैं।

महान कार्य यह है कि जो इंसान सहज योग से जुड़ा नहीं हैं उन्हें हम सहज योग बतायें। दरअसल ध्यान धारणा वो भी सहज योग पद्धति से जब हम करते हैं तो हमारी आत्मा जागृत होती है और हमारे सुक्ष्म शरीर की शक्तियां हममें सद्गुण जागृत करती है और आश्चर्यजनक बदलाव हममें आते हैं। ? हमारे हाथों से और सिर के तालु भाग से प्रवाहित होने वाला चैतन्य हमारे मस्तिष्क और विचारों को संतुलित करता है। तो क्यों न हम सहज योग को अपनायें। जीवन को सुंदर बनाने का सुंदर मार्ग है सहज योग। *सहज योग सरल है और पूर्णतया निशुल्क भी।

# जंग रुकी, शक नहीं: पाकिस्तान की भूमिका पर क्यों उठ रहे हैं सवाल?

मध्य पूर्व की धधकती धरती पर जब चारों ओर बारूद, धमकियों और विनाश की गूंज फैल रही थी, तभी अचानक शांति की ऐसी खबर सामने आई जिसने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो कुछ घंटे पहले तक ईरान को «सभ्यता के अंत» की चेतावनी दे रहे थे, अचानक दो सप्ताह के युद्ध विराम के लिए तैयार हो गए। उनकी केवल एक शर्त थी–ईरान तुरंत और सुरक्षित ढंग से होर्मुज स्ट्रेट खोल दे। यही वह समुद्री मार्ग है, जिससे दुनिया के बड़े हिस्से तक तेल पहुंचता है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह फैसला पाकिस्तान की चौंकाने वाली कूटनीति की जीत था, या फिर अमेरिका अपनी ही भड़काई आग में फंसकर पीछे हटने पर मजबूर हो गया?

ट्रंप की इस घोषणा ने वैश्विक राजनीति को पूरी बिसात ही पलट दी। दुनिया युद्ध के छठे सप्ताह में पहुंच चुकी थी। तेल की कीमतें लगातार आसमान छू रही थीं, शेयर बाजार दहशत में डूबे थे और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं पर संकट की रेखाएं साफ नजर आने लगी थीं। ऐसे निर्णायक मोड़ पर ट्रंप ने सोशल मीडिया पर खुलासा किया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के बाद उन्होंने ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई को दो सप्ताह के लिए टालने का फैसला किया है। इसके तुरंत बाद ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में बातचीत तय हुई और पूरे क्षेत्र में पहली बार ऐसा लगा कि बारूद के बीच भी शांति की राह निकल सकती है।

इस संकट में पाकिस्तान ने खुद को केवल पड़ोसी देश नहीं, बल्कि मुख्य मध्यस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश की। शहबाज शरीफ ने ट्रंप से युद्ध टालने की अपील की, जबकि ईरान से होर्मुज स्ट्रेट खोलने को कहा। रातभर आसिम मुनीर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वांस और विशेष दूतों के संपर्क में रहे। दावा है कि ईरान की दस सूत्रीय योजना भी पाकिस्तान के जरिए वॉशिंगटन पहुंची। इस्लामाबाद ने ईरान से पुराने रिश्तों और अमेरिका से सैन्य साझेदारी के बीच संतुलन साधा, लेकिन इसी ने उसकी नीयत पर सवाल खड़े कर दिए। मिस्र और तुर्की को साथ जोड़कर पाकिस्तान ने संकेत दिया कि वह केवल क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं, बल्कि संकट में खुद को अनिवार्य शक्ति साबित करना चाहता है।

पाकिस्तान की यह भूमिका जितनी प्रभावशाली दिखती है, उतनी ही संदेहों से घिरी भी है। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस्लामाबाद ने शांति से अधिक अपनी घटती वैश्विक हैसियत बचाने का मौका देखा। एक तरफ वह अमेरिका का करीबी सुरक्षा साझेदार है, दूसरी तरफ ईरान से उसके धार्मिक, भौगोलिक और राजनीतिक संबंध हैं। ऐसे में दोनों पक्षों को साथ रखने की उसकी कोशिश क्या वास्तव में संतुलन है, या केवल अपना प्रभाव बढ़ाने की चाल? फिलहाल यह रणनीति उसके पक्ष में दिख रही है, लेकिन यही दांव आगे सबसे बड़ा संकट बन सकता है। वार्ता विफल हुई या किसी एक पक्ष ने उसे पक्षपाती माना, तो पाकिस्तान दोनों ओर से अविश्वास और अलगाव का सामना कर सकता है।

ट्रंप के कदम पीछे खींचने की असली वजह पाकिस्तान नहीं, अमेरिका की बढ़ती मजबूरी थी। होर्मुज स्ट्रेट बंद होते ही तेल आपूर्ति पर असर पड़ा और अमेरिकी बाजार, महंगाई व ईंधन कीमतों पर दबाव बढ़ गया। चुनावी माहौल में ट्रंप जानते थे कि महंगाई की चोट उन्हें राजनीतिक रूप से भारी पड़ सकती है। इजरायल लगातार ईरान पर कड़ी कार्रवाई चाहता था, लेकिन लंबा युद्ध अमेरिका की छवि भी बिगाड़ रहा था। वह «विश्व पुलिस» नहीं, बल्कि «युद्ध को हवा देने वाली शक्ति» नजर आने लगा था। ऐसे में ट्रंप के सामने विकल्प साफ था–या तो युद्ध बढ़ाकर संकट गहराएं, या पीछे हटकर नुकसान सीमित करें। उन्होंने दूसरा रास्ता चुना।

ईरान ने युद्धविराम को दबाव में लिया गया फैसला नहीं, बल्कि शर्तों से जुड़ा समझौता माना। तेहरान ने साफ कर दिया कि उसे कुछ दिनों की राहत नहीं, स्थायी समाधान चाहिए। उसकी मांगों में प्रतिबंधों में ढील, पुनर्निर्माण सहायता और भविष्य में हमले न करने की गारंटी शामिल है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने के संकेत दिए, लेकिन बदले में अमेरिका से स्पष्ट राजनीतिक भरोसा मांगा। इसी वजह से वह शुरुआत में दो सप्ताह के अस्थायी विराम पर तैयार नहीं हुआ। पाकिस्तान बीच में अपनी भूमिका दिखाता रहा, लेकिन निर्णायक दबाव ईरान ने बनाया। इससे साफ है कि यह केवल दो देशों का टकराव नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन की लड़ाई है।

इस युद्धविराम का सबसे गहरा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ा। होर्मुज स्ट्रेट खुलने की संभावना से तेल बाजार को राहत मिली। भारत जैसे देशों के लिए यह अहम है, क्योंकि उसके अधिकांश तेल इसी रास्ते से आता है। रास्ता बंद रहता, तो पेट्रोल-डीजल और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती थीं। लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। इजरायल सतर्क है, लेबनान और हिजबुल्लाह के बीच तनाव जारी है। ऐसे में क्या इस्लामाबाद की वार्ता सचमुच समाधान दे पाएगी, या केवल संकट को कुछ समय के लिए टाल रही है? अगर दो सप्ताह बाद बातचीत विफल हुई, तो यह टकराव और खतरनाक हो सकता है। यह युद्धविराम स्थिरता नहीं, केवल अस्थायी विराम लगता है।

धुआं अभी थमा है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल बाकी है–इस विराम के पीछे असली जीत किसकी है? पाकिस्तान खुद को संकट का समाधानकर्ता बता रहा है, पर क्या उसने सचमुच हालात बदले, या केवल अमेरिका की मजबूरी को अपनी उपलब्धि बना लिया? अमेरिका पहले ही महंगाई, चुनावी दबाव और वैश्विक आलोचना से घिरा था। दूसरी ओर ईरान ने दिखा दिया कि होर्मुज स्ट्रेट बंद कर वह पूरी दुनिया पर दबाव बना सकता है। अब फैसला 10 अप्रैल की वार्ता करेगी। वहीं साफ होगा कि यह शांति की शुरुआत है, या अगली टकराव से पहले का सन्नाटा।

**-प्रो. आरके जैन**

## ऊर्जा क्षेत्र की कमजोरियों को दूर करने की जरूरत

दुनिया में जो माहौल है उसने हमें घरेलू कमजोरियों के बारे में नए सिरे से चिंतित किया है। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच छिड़े सैन्य संघर्ष ने ऊर्जा बाजार में उथलपुथल पैदा की है और जोखिम की गणना को बदल दिया है। भारत की बात करें तो तेल कीमतों के कारण लग रहे झटकों के वृहद आर्थिक प्रभाव 1970 के दशक के आरंभ से ही दिक्कतदेह बने रहे हैं। ढांचागत कमजोरी को आंकड़ों में ही महसूस किया जा सकता है।

देश की कुल ऊर्जा आपूर्ति में आयातित कच्चे तेल की हिस्सेदारी 21.7 फीसदी है। आयातित प्राकृतिक गैस अतिरिक्त 2.6 फीसदी है। ये मिलकर 24.3 फीसदी का जो?खिम बनाते हैं। भारत के रणनीतिक लेखन ने लंबे समय से इस निर्भरता के जोखिमों का दस्तावेजीकरण किया है, खासकर एक राजनीतिक रूप से अस्थिर क्षेत्र पर। इसका एक जवाब यह है कि हम भाग्यशाली हैं, भारतीय भूभाग को प्रचुर मात्रा में सौर ऊर्जा प्राप्त है। नवीकरणीय ऊर्जा की आधुनिक तकनीकें ऊर्जा स्वतंत्रता की नींव प्रदान करती हैं।

इस सफर में हम कहां हैं? बीते एक दशक में देश में आधुनिक नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में सालाना आधार पर 8 फीसदी वृद्धि हुई। एक दशक में 8 फीसदी वृद्धि के साथ विशुद्ध उत्पादन में जबरदस्त इजाफा होगा। परंतु इसके बावजूद हम बहुत अच्छी हालत में नहीं हैं। आधुनिक नवीकरणीय ऊर्जा कुल ऊर्जा आपूर्ति का केवल 3.2 फीसदी है। यानी हमारी दशकों की ऊर्जा नीति की उपलब्धि एक ही अंक में सिमट जाती है।

आधुनिक आर्थिक वृद्धि ऊर्जा-गहन है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का विस्तार ऊर्जा आपूर्ति में समानुपाती विस्तार की मांग करता है। जनसांख्यिकी, शहरीकरण और औद्योगीकरण यह सुनिश्चित करते हैं कि ऊर्जा की मांग बढ़ेगी। इस आपूर्ति की संरचना में एक संरचनात्मक परिवर्तन होना आवश्यक है। वर्तमान में, पारंपरिक बायोमास कुल ऊर्जा आपूर्ति का 20 फीसदी है। आर्थिक आधुनिकीकरण का अर्थ है बायोमास का विस्थापन। इसमें औद्योगिक प्रक्रियाओं, परिवहन लॉजिस्टिक्स और घरेलू खपत का गहन विद्युतीकरण शामिल है। वृहद आर्थिक प्रोफाइल को बदलने और ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने के लिए, नवीकरणीय ऊर्जा की भूमिका क्रमिक रूप से नहीं बढ़ सकती। प्रणाली को परिमाणात्मक विस्तार की आवश्यकता है। प्रश्न यह है कि कुल ऊर्जा आपूर्ति में नवीकरणीय ऊर्जा को 32 फीसदी तक कैसे पहुंचाया जाए?

हमें 3.2 फीसदी हिस्सेदारी तक पहुंचने में दो दशक का वक्त लगा। तो वर्तमान ढांचे में यह जल्दी 32 फीसदी तक नहीं पहुंचेगा। इसके लिए ऊर्जा नीति में बुनियादी बदलाव आवश्यक हैं। सब्सिडी में क्रमिक समायोजन या सार्वजनिक क्षेत्र के आदेश इस अंतर को नहीं भर पाएंगे। पूंजी जुटाने और प्रोत्साहनों को सुसंगत करने के लिए तीन संरचनात्मक बदलाव आवश्यक हैं। पहला तत्त्व है बिजली क्षेत्र में परिवर्तन।

**-स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी**

# पश्चिम एशिया संकट, फंस गए ट्रंप

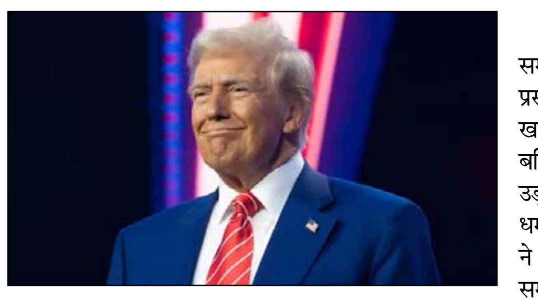

वर्ष 2010 की चर्चित फिल्म 'फंस गए रे ओबामा' एक कामेडी फिल्म थी। यह एक त्रासदी से उपजी थी। इसकी कहानी राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिका में उभरे आर्थिक संकट से ग्रस्त भारत आए एक एनआरआइ से संबंधित थी। जैसे अमेरिका में आई मंदी ने उस वक्त सारे विश्व को परेशान किया, वैसे ही अमेरिका की ओर से इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर किए गए हमले से आज सारा विश्व त्रस्त है। इस युद्ध को जारी हुए एक महीने से अधिक का समय बीत गया है और कहना कठिन है कि यह कब समाप्त होगा?

यदि अमेरिका इजरायल का साथ नहीं देता तो इस युद्ध की नौबत ही नहीं आती, लेकिन ऐसा लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने अहंकार के चलते ईरान को वेनेजुएला समझ लिया और बिना यह विचारे उस पर चढ़ाई कर दी कि उसने कितनी एवं कैसी सैन्य क्षमता हासिल कर ली है? वे इसे भी भांप नहीं सके कि ईरान पड़ोसी देशों में हमले करके और होर्मुज समुद्री मार्ग अवरुद्ध कर उनके पसीने छुड़ा देगा। वह फिलहाल सचमुच ऐसा करने में समर्थ है और ट्रंप को सूझ नहीं रहा है कि वे इस युद्ध से कैसे निकलें?

एक ओर वे सबसे शक्तिशाली शासक और विश्व के नीति-नियंता होने के गुमान में हैं और दूसरी ओर ईरान को होर्मुज खोलने के लिए मोहलत पर मोहलत देकर अपनी कमजोरी भी जाहिर कर चुके। यदि उनकी सेना इतनी ही शक्तिशाली है तो ईरान की मारक क्षमता कम होने का नाम क्यों नहीं ले रही है? वह ऐसी-ऐसी मिसाइलें दागने में लगा हुआ है, जिससे अमेरिका भी दंग है और इजरायल भी। ट्रंप कभी ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की धमकी देते हैं और कभी उससे शांति वार्ता की पहल करते हैं।

ट्रंप ने ईरान के समक्ष शांति वार्ता का जो प्रस्ताव रखा, उसने उसे खारिज ही नहीं किया, बल्कि उनका उपहास भी उड़ाया। वह उन्हें जवाबी धमकी भी दे रहा है। ट्रंप ने ईरान पर हमला करते समय कहा था कि वे वहां सत्ता परिवर्तन के साथ परमाणु हथियारों के निर्माण की उसकी क्षमता खत्म करना चाहते हैं। ईरान में सत्ता परिवर्तन के कोई आसार नहीं, जबकि उसके सुप्रीम नेता खामेनेई समेत कई बड़े सैन्य अफसर मारे जा चुके हैं। यह कहना भी कठिन है कि अमेरिका और इजरायल के हमलों में उसके परमाणु संयंत्र इतने बुरी तरह तबाह हो गए हैं कि वह फिर कभी परमाणु हथियार बनाने की क्षमता हासिल नहीं कर सकेगा।

अपनी टैरिफ नीति की लाठी से दुनिया को हांकने वाले ट्रंप न तो खाड़ी देशों को ईरान के हमलों से बचा पा रहे हैं और न ही अपने मित्र देशों और यहां तक कि नाटो देशों को इस युद्ध में सहयोग देने के लिए राजी कर पा रहे हैं। उनके मित्र देश उनका सहयोग करने के लिए इसलिए भी आगे नहीं आ रहे हैं, क्योंकि बहुत समय नहीं हुआ, जब उन्होंने ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी देकर उन्हें तंग किया था। ईरान ने इस माहौल की हवा निकाल दी है कि दुनिया में वही होगा, जैसा ट्रंप चाहेंगे और उनकी जिद के सामने अन्य देशों को झुकना ही होगा।

ट्रंप यह कहते रहे हैं कि वे शांति के राष्ट्रपति हैं और सात-आठ युद्ध रोके हैं, लेकिन उनके पास इसका कोई जवाब नहीं कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध क्यों नहीं रोक सके, जिस पर उन्होंने सबसे ज्यादा रियाज किया। शांति का स्वयंभू मसीहा होने के नाते वे खुद को नोबेल पुरस्कार का अधिकारी बताते रहे हैं और उसके न मिलने पर विलाप भी करते रहे हैं, लेकिन उन्होंने कुल मिलाकर दुनिया को अस्थिर और अशांत ही किया है। वे अपने विरोधी देशों के साथ मित्र देशों से भी बुरा बर्ताव करने के आदी हैं। ट्रंप यह चाहते हैं कि सारी दुनिया उन्हें सलाम करे, लेकिन वे इसके लिए धौंस-धमकी का सहारा लेते हैं।

इसी कारण वे आदर और सम्मान के पात्र नहीं और न हो सकते हैं। ट्रंप एक अविश्वसनीय और अराजक शासक हैं, क्योंकि वे अपने कहे से मुकरने, मनमानी करने और झूठ बोलने में माहिर हैं। वे ऐसा दिखाते हैं कि उनके पास दुनिया की हर समस्या का समाधान है, पर पश्चिम एशिया संकट उनके गले की हड्डी बन गया है। इससे वे कितने कुंठित हैं, इसका पता गत दिनों की उनकी गाली-गलौज वाली पोस्ट से मिला। उनकी भाषा का स्तर कुछ-कुछ हिंदी फिल्मों के इस डायलाग जैसा था-कुत्ते कमीने मैं तेरा खून पी जाऊंगा।

पश्चिम एशिया संकट में बुरी तरह फंस गए ट्रंप सहानुभूति के पात्र नहीं, क्योंकि उन्होंने मनमानी ही की। चूंकि ईरान अमेरिका और इजरायली हमलों से जूझ रहा है, इसलिए वह दुनिया के एक बड़े हिस्से में हमदर्दी हासिल कर रहा है, लेकिन यदि अमेरिका और इजरायल ने मनमानी की तो ईरान भी दूध का धुला नहीं। वहां की सत्ता एक निरंकुश और अपने ही लोगों के प्रति निर्मम बर्ताव करने वाली सत्ता है। उसने अपने ही हजारों लोगों को मारा है। वह इजरायल को दुनिया के नक्शे से मिटाने की सनक से बुरी तरह ग्रस्त है।

यदि ईरान परमाणु हथियार बना लेता है तो इजरायल के अस्तित्व के लिए तो गंभीर खतरा बनेगा ही, पश्चिम एशिया में दादागीरी कर सबको तंग करेगा और हमास, हिजबुल्ला जैसे आतंकी संगठनों की और खुलकर मदद करेगा। पश्चिम एशिया संकट का समाधान चाहे जब और जैसे हो, फिलहाल अमेरिकी राष्ट्रपति वहां बुरी तरह घिर गए हैं और उन पर 'फंस गए रे ट्रंप' जैसी फिल्म बनाने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे खुद चलती-फिरती कामेडी बन गए हैं।

**-धनंजय राजौरा**

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने वैश्विक ऊर्जा सकट के बीच भी एलपीजी की सतत आपूर्ति को सुनिश्चित किया: 18 करोड़ से अधिक सिलेंडर डिलीवर किए गए

नई दिल्ली- दुनिया भर में ऊर्जा के संकट के बीच ईंधन की उपलब्धता बाधित हुई है, और कई क्षेत्रों में ईंधन की ज़बरदस्त कमी आ गई है। इस बीच भारत ने अपने घरों के लिए एलपीजी की सुलभता को जारी रखा है और बाहरी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद बड़े पैमाने पर स्थिरता को सुनिश्चित किया है।

भारत अपनी एलपीजी की 60 फीसदी ज़रूरत के लिए आयात पर निर्भर है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के ज़रिए वैश्विक आपूर्ति के केंद्रीकरण को देखते हुए, सरकार ने आपूर्ति सुरक्षित करने और घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए तेज़ी से कदम उठाए।

घरेलू उत्पादन बढ़ाने और कई भौगोलिक क्षेत्रों से सोर्सिंग में विविधता लाने जैसे उपायों ने सुनिश्चित किया कि आपूर्ति स्थिरता से होती रही। यही कारण है पूरे देश में एलपीजी का वितरण बड़े पैमाने पर जारी है; 1 मार्च 2026 से अब तक 18 करोड़ से ज़्यादा सिलेंडर डिलीवर किए जा चुके हैं और रोज़ाना 60 लाख से ज़्यादा सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है। डिलीवरी का औसत समय लगभग तीन दिन बना हुआ है।

हालांकि कुछ स्थानों पर उपभोक्ताओं को सिलेंडर की डिलीवरी में देरी का सामना करना पड़ा है। ये मामले ज़्यादातर स्थानीय और अस्थायी रहे हैं, जो मांग में अचानक बढ़ोतरी और लास्ट-माईल ऑपरेशनल परेशानियों की वजह से आए। इन समस्याओं को तुरंत हल करने के लिए वितरण को सुव्यवस्थित करने, डिलीवरी के समय को बेहतर बनाने और बुनियादी स्तर पर निगरानी को मज़बूत बनाने के लिए खास कदम उठाए जा रहे हैं।

खास बात यह है कि आपूर्ति में कोई बड़ी रुकावट नहीं आई है, और सभी डिस्ट्रीब्यूटरशिप में एलपीजी की उपलब्धता स्थिर बनी हुई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) के साथ लगातार निगरानी और तालमेल की वजह से कामकाज सुचारू रूप से चल रहा है।

इसके साथ ही, सरकार ने उपभोक्ताओं को वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए सोच-समझकर कदम उठाए हैं। परिवारों पर, विशेष रूप से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों पर, इसका असर सीमित रखा गया है, जो किफ़ायती दाम पर एलपीजी उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। ऐसे समय में जब कई अर्थव्यवस्थाएँ बड़ी मुश्किलों का सामना कर रही हैं, उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करते हुए एलपीजी आपूर्ति की निरंतरता बनाए रखना-भारत के एनर्जी इकोसिस्टम की मजबूती और प्रत्यास्थता को दर्शाता है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय बिना किसी रुकावट के हर घर तक सुरक्षित और किफायती एलपीजी पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है, और साथ ही वितरण नेटवर्क की कार्यक्षमता और पारदर्शिता को भी लगातार मजबूत बना रहा है।

## हठ छोड़ें अमेरिका-ईरान

ईरान पर होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने के लिए दबाव बढ़ाने के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उसे दी गई अपनी नई धमकी में जिस तरह यह कहा कि रात भर में पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा, वह आज के युग की भाषा नहीं है। यह बर्बर कबीलाई युग की भाषा है, जब युद्ध के कोई नियम नहीं होते थे और हमलावर बर्बरता की पराकाष्ठा दिखाने में संकोच नहीं करते थे।

21वीं सदी में आदिम युग वाली भाषा सभ्य समाज के लिए चिंता का विषय है। क्या यह विचित्र नहीं कि ट्रंप एक ओर यह कह रहे हैं कि अमेरिका के हमलों में ईरान रात भर में मटियामेट हो सकता है और दूसरी ओर वे यह भी चाह रहे हैं कि ईरान के महान लोगों पर ईश्वर की कृपा हो? समझना कठिन है कि उनका इरादा क्या है?

यदि वे समझौते की राह खोज रहे हैं तो उन्हें उसी हिसाब से सलीके से अपनी बात रखनी चाहिए। बीते कुछ दिनों से वे जैसी भाषा बोल रहे हैं, उससे तो बात बनने के बजाय बिगड़ती ही दिख रही है। इसमें संदेह नहीं कि अमेरिका ने इजरायल के साथ ईरान पर हमला बोलकर पश्चिम एशिया में एक गंभीर संकट खड़ा कर दिया, लेकिन इस संकट ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया है तो ईरान के कारण भी।

ईरान ने समुद्री मार्ग होर्मुज को बाधित कर ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। वह इस समुद्री मार्ग को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। यह वह जल मार्ग है, जिससे ऊर्जा के पांचवें हिस्से का नौवहन होता है। इस मार्ग के बाधित होने से पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट लगातार गहरा रहा है और इसके चलते तमाम देशों की सरकारों के साथ-साथ आम लोगों के समक्ष परेशानी खड़ी हो गई है।

कहीं-कहीं तो उद्योग-धंधे बंद होने की नौबत आ गई है। गहराते ऊर्जा संकट के चलते महंगाई भी बढ़ रही है। एक तरह से ईरान ने होर्मुज पर कब्जा कर दुनिया को बंधक बनाने का काम किया है। उसकी लड़ाई तो अमेरिका और इजरायल से है।

**-डॉ. सुधाकर आशावादी**

## ऐसा झटका जिसे सही से समझा गया ही नहीं

भारत एक और झटके का सामना कर रहा है। ऐसे परिदृश्य में, जहां व्यवधान मॉनसून के पूर्वानुमान की तरह नियमित रूप से आते हैं, अगर कोई अच्छी बात है, तो वह यह है कि हम यह बेहतर ढंग से समझने लगे हैं कि कौन सी नीतिगत प्रतिक्रियाएं मददगार हैं और कौन सी नहीं।

ऊर्जा संकट के बाद भारतीय रिजर्व बैंक की पहली नीतिगत बैठक चल रही है, ऐसे में स्वाभाविक सवाल यह है कि क्या ब्याज दरों में बढ़ोतरी होगी। मुद्रा को स्थिर करने के लिए बैंकों की पोजीशन सीमित करके और ऑफशोर रूट बंद करके मुद्रा आर्बिट्राज को रोकने के केंद्रीय बैंक के हालिया कदमों के बाद, अब ध्यान इस बात पर केंद्रित हो गया है कि क्या रुपये को सहारा देने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी का रास्ता अपनाया जाएगा। स्पष्ट शब्दों में कहें तो, क्या केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में बढ़ोतरी करेगा?

मेरा मानना ??है कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने की अभी पर्याप्त वजह नहीं है। यह तेल की कीमतों में आया एक सामान्य झटका नहीं है। आज की स्थिति की तुलना 2022 से करना स्वाभाविक है, जब ब्रेंट की औसत कीमत लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल थी। ब्रेंट ने फिर से उस स्तर को पार कर लिया है, और भारत के तेल आयात में ऐसे स्रोत शामिल हैं जिनकी कीमतें ब्रेंट से भी अधिक बढ़ी हैं। तो क्या मामला यहीं खत्म हो गया? ऐसा बिल्कुल नहीं है। मौजूदा घटनाक्रम दो महत्त्वपूर्ण मायनों में अलग दिखता है।

सबसे पहले, यह सिर्फ तेल का मामला नहीं है। यह व्यापक और अधिक गंभीर है, जिसमें प्राकृतिक गैस और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) में व्यवधान से प्रभाव और भी बढ़ जाता है तथा पेट्रोकेमिकल्स, उर्वरक, बिजली और विनिर्माण जैसे अन्य क्षेत्रों में भी इसका असर होता है। जब ऊर्जा आपूर्ति में गड़बड़ी होती है, तो इसके दुष्प्रभाव सीमित नहीं रहते।

दूसरा, पहले के उन मामलों के विपरीत जिनमें मुख्य रूप से कीमतों में अचानक वृद्धि हुई थी, इस मामले में मात्रा संबंधी गंभीर बाधाएं भी शामिल हैं। तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) उत्पादन के कुछ हिस्सों में कई वर्षों से उत्पादन क्षमता ठप पड़ी है, और वैश्विक एलएनजी व्यापार का एक बड़ा हिस्सा असुरक्षित मार्गों से होकर गुजरता है। विभिन्न देशों में कोटा प्रणाली के कारण कमी और भी बढ़ रही है, जिससे सभी क्षेत्रों में उपलब्धता सीमित हो रही है।

यह संयोजन एक दूसरे पर असर डालता है। यह मुद्रास्फीति को बढ़ाता है। साथ ही यह आ?र्थिक वृद्धि के लिए भी अधिक नकारात्मक है, क्योंकि यह उत्पादन को सीधे तौर पर बाधित कर सकता है।

यदि ऊर्जा संकट कुछ और हफ्तों तक जारी रहता है, तो विकास में आने वाली बाधा मुद्रास्फीति संकट से भारी हो जाएगी। तब यह स्थिति कुछ हद तक जानी-पहचानी सी लगने लगेगी। कम से कम कुछ क्षेत्रों में यह महामारी के समय की अर्थव्यवस्था की याद दिलाएगी।

लेकिन हमें अति प्रभावित नहीं होना चाहिए। महामारी के कारण वृद्धि में आई बाधा कहीं अधिक गंभीर और व्यापक थी। इसके विपरीत, ऊर्जा क्षेत्र से उत्पन्न झटका कुछ क्षेत्रों (जैसे ऊर्जा की भारी खपत करने वाले विनिर्माण) को अन्य क्षेत्रों (जैसे सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं) की तुलना में अधिक प्रभावित करता है। और इस बार भारत की स्थिति अधिक मजबूत है, उसकी वृद्धि दर अधिक है, मुद्रास्फीति कम है और व्यापार घाटा महामारी से पहले की तुलना में कम है। फिर भी, यह समानता अब समझ में आने लगी है। यदि मौजूदा झटका लंबे समय तक बना रहता है, तो अर्थव्यवस्था के विकास में महत्त्वपूर्ण व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। अब तक, मुद्रास्फीति का डर वृद्धि के डर से कहीं अधिक हावी रहा है।

**-सुनील कुमार महला**

# कलेक्टर के मुख्य आतिथ्य में देवास वरिष्ठ नागरिक संस्था का स्थापना दिवस कार्यक्रम हुआ आयोजित

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह के मुख्य आतिथ्य में बुधवार को देवास वरिष्ठ नागरिक संस्था का स्थापना दिवस का आयोजन मल्हार स्मृति मंदिर परिसर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि यह बड़ा गौरव का दिन है कि वरिष्ठ नागरिक संस्था के लगभग 30 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। इस दौरान वेदांता अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. भरत रावत, महाप्रबंधक बैंक नोट प्रेस श्री केदारनाथ महापात्रा, सामाजिक न्याय विभाग की अधिकारी श्रीमती संगीता यादव, डायरेक्टर विद्यांचल अकेडमी देवास श्री दिनेश गुप्ता, वरिष्ठ नागरिक संस्था के पदाधिकारी श्री ओ.पी. पराशर, श्री गंगा सिंह सोलंकी, संस्था के सदस्यगण सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्री सिंह ने वरिष्ठ नागरिक संस्था के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह मेरे लिए गौरव की बात कि मैं इस आयोजन का हिस्सा बना, जिसमें जिले के सम्मानीय वरिष्ठ नागरिक सदस्य हैं, जिन्होंने अपने उल्लेखनीय कार्यों से समाज के नागरिकों की निस्वार्थ भाव से सेवा की है। उन्होंने कहा कि आप सभी के प्रयासों से संस्था में बहुत खुशनुमा माहौल बना हुआ है। उन्होंने सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह शुभकामना व्यक्त की कि उनका जीवन स्वस्थ और प्रसन्नतापूर्ण रहे। उन्होंने बताया कि आगामी समय में संपूर्ण जिले में नागरिकों के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नागरिक संस्था से जुड़कर संस्था को सुदृढ़ बनाएं। उन्होंने कहा कि प्रशासन हमेशा संस्था के लिए हमेशा तत्पर है।

इस अवसर पर वेदांता अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. भरत रावत ने सभी को सलाह दी कि आवश्यकता से अधिक और आवश्यकता कम से उपचार से बचें। उन्होंने स्वास्थ्य जीवन जीने के लिए कुछ नुस्कों से रूबरू कराया। उन्होंने बताया कि सभी को प्रतिदिन दो किलोमीटर पैदल चलना चाहिए एवं नियमित व्यायाम व सूर्य नमस्कार करना चाहिए, जिससे बीपी, शुगर, हृदय संबंधी रोगों आदि से बचा जा सके। उन्होंने सभी को धुम्रपान एवं मदिरापान न करने की सलाह दी। उन्होंने सभी को सलाह दी कि छोटी-छोटी बातों पर मुस्कुराना सीखें एवं दूसरें के चेहरे पर भी मुस्कुराहट लाएं। उन्होंने सभी से सादगी भरा जीवन जीने की बात कही।

इस कार्यक्रम में बताया गया कि इस संस्था की स्थापना 08 अप्रैल 1997 में डॉ. एम.व्ही भाले एवं डॉ. डी.पी. श्रीवास्तव ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर की थी जो कि आज तक निरंतर गतिमान है। संस्था का मूल उद्देश्य समाज में हाशिये पर जाते वरिष्ठजनों का जीवन सुखद एवं स्वथ्य रहे इसके लिए निरंतर प्रयास करना है। इस कार्य हेतु संस्था द्वारा प्रत्येक क्षेत्र के वरिष्ठजनों को सदस्य बनाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि संस्था ने देवास में ही नहीं बल्कि प्रदेश एवं राष्ट्र स्तर पर भी अपने कार्यो से अमिट पहचान बनाई है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सिंह द्वारा संस्था के सदस्यों को समाज में उल्लेखनीय कार्य करने पर शॉल-श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

## जिले के खिलाड़ियों ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के तहत प्रतियोगिताओं का आयोजन 25 मार्च से 03 अप्रैल 2026 तक रायपुर में किया गया। देवास के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन, चौथा स्थान प्राप्त'' किया। कलेक्टर ऋतुराज सिंह, पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयवीर सिंह भदौरिया तथा जिला खेल अधिकारी ने खिलाडियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई दी। अधिकारियों ने कहा कि खिलाड़ियों की यह उपलब्धि जिले के लिए गर्व का विषय है और भविष्य में वे और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देवास जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। देवास के मोहित कर्मा, अंकित नागलोथ और अंकित भूरिया ने पुरूष वर्ग में तथा मनीषा भूरिया ने महिला वर्ग में भाग लिया। सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में चौथा स्थान हासिल किया। पूरे टूर्नामेंट में मयंक ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 08 गोल दागे। वहीं अंकित ने 02 गोल और मनीषा भूरिया ने भी 03 गोल कर टीम के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग को दिया। उन्होंने विभाग द्वारा प्रदान की गई प्रशिक्षण सुविधाओं, मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

## राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने किया 28 करोड़ रूपये से अधिक की नवीन सड़कों का लोकार्पण

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** राजस्व मंत्री श्री करणसिंह वर्मा ने सीहोर जिले के ग्राम रामाखेड़ी, रलावती, सागोनी और ग्राम शिकारपुर में आयोजित कार्यक्रमों में 28 करोड़ 58 लाख 27 हजार रूपये की लागत से निर्मित नवीन सड़कों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और सड़कों का सुदृढ़ नेटवर्क विकास की रीढ़ होता है। बेहतर सड़क संपर्क से न केवल गांवों को शहरों से जोड़ने में सुविधा होती है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार एवं रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्रीय विकास को नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार द्वारा अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं, जिससे गांव-गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा सकें। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों से संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान श्री सुरेंद्र मेवाड़ा, श्री पंकज गुप्ता, जनपद सीईओ श्रीमती नमिता बघेल सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

## आजीविका भवन में सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रमाण पत्र वितरित महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहन

**शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से अदाणी फाउंडेशन द्वारा आयोजित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आज आजीविका भवन में प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम का आयोजन आजीविका केंद्र कोलारस में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव एवं विशेष अतिथि के रूप में जनपद पंचायत कोलारस के अध्यक्ष श्री चौहान उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला परियोजना प्रबंधक (आजीविका मिशन) डॉ.अरविंद भार्गव एवं अदाणी फाउंडेशन के प्रोजेक्ट मैनेजर अजीत जैन, आजीविका मिशन के ब्लॉक मैनेजर श्री संजय चौहान, प्रशिक्षण टीम के सदस्य एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान डॉ.अरविंद भार्गव ने महिलाओं को संबोधित करते हुए बताया कि अदाणी फाउंडेशन द्वारा स्थापित की जा रही फैक्ट्री के माध्यम से स्थानीय महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिसमें स्वयं सहायता समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने अपने संबोधन में कहा कि अदाणी फाउंडेशन द्वारा जिले में महिलाओं के उत्थान, कौशल उन्नयन एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं, जो सराहनीय हैं।

ग्राम बूढ़ा डोंगर में अदाणी फाउंडेशन द्वारा प्रशिक्षण एवं उत्पादन केंद्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसके लिए महिलाओं को इंडस्ट्रियल मशीनों पर सिलाई का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। वर्तमान वर्ष में कोलारस केंद्र पर अब तक 113 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अंत में प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

## जनपद पंचायत कन्नौद में 'एक बगिया मां के नाम परियोजना' अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में एक बगिया मां के नाम परियोजना संचालित की जा रही है। जिसमें हितग्राहियों के खेतों पर विभिन्न प्रजातियों के पेड़-पौधों का रोपण कर उनका रखरखाव के संबंध में जानकारी दी जा रही है। इसी के तहत बुधवार को जनपद पंचायत कन्नौद में एक बगिया मां के नाम अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत कन्नौद से मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दीपक मुझाल्दा एवं अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी श्री विकास आर्य, श्रीमती रेखा मोरे तथा श्री शिवराम मुझाल्दे, श्री बहादुर सिंह पंवार, श्री दयाशंकर मीणा, श्री विजय चौधरी, कृषि सखिया, हितग्राही दीदियां, ग्राम रोजगार सहायकों एवं उपयंत्रीगण सहित बड़ी संख्या में संबंधित हितधारकों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान उद्यानिकी विभाग एवं अन्य विशेषज्ञों द्वारा पौधा रोपण पश्चात एवं आगामी मौसम को ध्यान में रखते हुए पौधों की सुरक्षा देखभाल एवं संरक्षण के विभिन्न उपायों की विस्तृत जानकारी संबंधित हितग्राहियों को दी गई। प्रतिभागियों को पौधों में होने वाले रोगों से बचाव समय पर सिंचाई उचित खाद प्रबंधन एवं प्राकृतिक संरक्षण तकनीकों के बारे में भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि एक बगिया मां के नाम अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में हरियाली बढ़ाना एवं महिलाओं की सहभागिता को मजबूत करना व आजीविका उन्नयन करना है। कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित सभी प्रतिभागियों को अपने-अपने परियोजनाओं की देखभाल व उनकी नियमित देखरेख के लिए प्रेरित किया गया।

## सीएम हेल्पलाइन सहित सभी राजस्व संबंधी प्रकरणों का करें त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण - कलेक्टर

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित कर राजस्व से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व वसूली, नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, उपार्जन, ई-विकास के माध्यम से खाद वितरण तथा फार्मर रजिस्ट्री जैसे प्रमुख बिंदुओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को मुख्यालय में निवास सुनिश्चित करने, अनावश्यक अप-डाउन से बचने तथा कार्यों को टालने की प्रवृत्ति छोड़कर गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन सहित सभी राजस्व संबंधी प्रकरणों का त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित मॉनिटरिंग करें और शासन की योजनाओं का लाभ आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व वसूली के कार्य में तेजी लाई जाए और लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप निर्धारित लक्ष्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, जिससे राजस्व संग्रहण में वृद्धि हो सके। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में 27 करोड़ 22 लाख 34 हजार 532 रूपये राजस्व संग्रह किया गया। नामांतरण, बटवारा एवं सीमांकन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो, इसके लिए समयबद्ध और पारदर्शी कार्यप्रणाली अपनाई जाए।

## जल गंगा संवर्धन अभियान अभियान के माध्यम से नागरिकों को दिया जा रहा है जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में ÷जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से कुओं, बावड़ियों, जलाश्यों, तालाबों एवं नालों की साफ-सफाई की जा रही है। साथ ही जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मप्र जन अभियान परिषद बागली की नवांकुर संस्था नव युग शिक्षण एवं सामाजिक संस्था पोलाय के मार्गदर्शन में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, ग्राम बिलावली द्वारा जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया।

यह जल मंदिर अब क्षेत्र के आम नागरिकों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएगा। प्याऊ के माध्यम से नागरिकों को भीषण गर्मी में शीतल एवं स्वच्छ जल सहज रूप से उपलब्ध होगा। इससे नागरिकों को काफी राहत भी मिलेगी। जन अभियान परिषद की यह पहल निश्चित रूप से समाज के लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह कार्य सेवा, समर्पण और समाज के प्रति जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों ने जल संरक्षण एवं सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के छोटे-छोटे प्रयास समाज में बड़े सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर नवांकुर संस्था से गणेश यादव, प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष वीजेंद्र सिंह सैंधव, सचिव जीवन सोलंकी, परामर्शदाता राजेंद्र सिंह सैंधव, बीएसडब्ल्यू के छात्र राकेश सिंह सैंधव सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित थे।

## किसानों की बदलती सोच, अब नरवाई जलाने के स्थान पर किया जा रहा है उचित प्रबंधन

**शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला प्रशासन, कृषि विभाग एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के प्रयासों से जिले के किसान अब नरवाई जलाने के स्थान पर स्ट्रा-रीपर से भूसा बना रहे है। इसी पहल के तहत विकास खण्ड़ बदरवास, ग्राम-पीरोठ के कृषक संतोक सिंह द्वारा हार्वेस्टर से गैहूँ फसल कटाई उपरान्त खेत में बची हुई नरवाई को जलाने की वजाय स्ट्रा-रीपर मशीन के माध्यम से भूसा तैयार किया गया इसके साथ ही कृषक द्वारा मशीन को किराये पर अन्य कृषकों के यहा चलाकर गेहूँ की नरवाई से भूसा बनाया गया है जो कि उनके लिए एक आय का श्रोत साबित हुआ है।

कृषक द्वारा अपनाई गई पद्धति न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि इससे पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता भी सुनिश्चित हो रही है। नरवाई जलाने से जहाँ एक ओर वायु प्रदूषण बढ़ता है और मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है वही इस प्रकार के वैज्ञानिक प्रबंधन से इन समस्याओं से बचाव संभव है।

## टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने के लिए अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता समाप्त करने एवं नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना के संबंध में मुख्यमंत्री के नाम जिलाधीश के प्रतिनिधि अपर कलेक्टर संजीव जैन को ज्ञापन दिया।

जिसमें बताया गया कि आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय एवं आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त नॉन-टीईटी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। इस संबंध में निवेदन है कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की अधिसूचना दिनांक 10 अगस्त 2010 की कंडिका 4 (क), (ग) एवं कंडिका 5 के अनुसार 03 सितंबर 2001 के पश्चात नियुक्त शिक्षक (संविदा शाला शिक्षक), 03 सितंबर 2001 के पूर्व नियुक्त शिक्षक (शिक्षाकर्मी व संविदा शाला शिक्षक) तथा वर्ष 2011 से 2014 के मध्य गुरुजी से संविदा शिक्षक के रूप में नियुक्त शिक्षक को टीईटी से छूट प्रदान की गई है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय में भी उक्त छूट का उल्लेख किया गया है। इसके बावजूद विभागीय आयुक्तों द्वारा समस्त सेवारत नॉन- टीईटी शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करने हेतु बाध्य किया जाना, अधिसूचना के प्रावधानों एवं माननीय न्यायालय के निर्णय की भावना के विपरीत है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल द्वारा दिनांक 02 मार्च 2026 तथा आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा दिनांक 26 मार्च 2026 को जारी आदेशों को तत्काल निरस्त करने की कृपा करें। प्रदेश के लगभग डेढ़ लाख शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त कर उन्हें अनावश्यक मानसिक तनाव से राहत प्रदान करने की कृपा करें। नवीन शैक्षणिक संवर्ग के शिक्षकों की लंबे समय से की जा रही ज्वलंत मांग को दृष्टिगत रखते हुए उनकी सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनांक से किए जाने हेतु आवश्यक आदेश जारी करने की कृपा करें, जिससे पेंशन, ग्रेच्युटी एवं अवकाश नगदीकरण जैसे वैधानिक लाभ पदोन्नति/क्रमोन्नति की भांति सुनिश्चित हो सके। ज्ञापन का वाचन वारिस अली ने किया। दिनेश चौधरी, हिमरतसिह तोमर, राजेन्द्रसिंह सेंधव, अरूण मिश्रा, पुरूषोत्तम सिसोदिया, ने बीएड कॉलेज पर आयोजित धरना एवं रैली को सम्बोधित किया।

## स्वच्छता सर्वेक्षण अन्तर्गत किये जा रहे कार्यो की आयुक्त ने की समीक्षा

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए वार्डो में की जाने वाली साफ सफाई, बेकलेन सफाई, पेवर्स ब्लाक सफाई, डिवाईडरों की सफाई, नालियों की सफाई, गार्डनों की सफाई, ग्रीनकृरी, गार्बेज गीला, सुखा मिक्स कचरा नहीं आने को लेकर किये जाने वाले कार्यो के निर्देश आयुक्त दलीप कुमार ने पर गत सप्ताह किये जाने वाले तैयारियों एवं वार्डो के आयुक्त ने गत सप्ताह वार्ड के स्वच्छता निरीक्षकों एवं वार्ड दरोगाओं को निर्देश दिये थे। जिसकी समीक्षा बुधवार 8 अप्रेल को बैठक के दौरान आयुक्त ने की।

आयुक्त ने सर्वेक्षण गाईड लाईन अनुसार वार्डो में जो कार्य शेष हैं उन्हें आगामी 4 दिवस में पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। वहीं रात्रीकालीन सफाई को लेकर दिशा निर्देश देते हुए अमानक पॉलिथीन जप्त कर चालानी कार्रवाई करने के निर्देश के साथ मुख्य मार्गो, चौराहों से अस्थाई अतिक्रमण, मुख्य मार्गो एवं चौराहों एवं वार्डो से बेनर, पोस्टर हटाने की कार्रवाई के निर्देश दिये। जिन स्थानों पर लीटरबिन सुधार एवं नवीन लीटरबिन लगाई जाना हैं उन स्थानों पर समय सीमा के कार्य संपादित किये जाने हेतु कहा।

## इछावर में आईओटी आधारित प्रिसिजन फार्मिंग केंद्र का कलेक्टर ने किया लोकार्पण

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** सीहोर जिले की इछावर तहसील के भाउखेड़ी आजीविका पार्क में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने एनआरएलएम अंतर्गत गठित आत्मनिर्भर महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के फील्ड प्रक्षेत्र में आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) आधारित प्रिसिजन फार्मिंग केंद्र का लोकार्पण किया। यह परियोजना नाबार्ड, जियो कृषि, जैन इरिगेशन एवं सीपा संस्था के अभिसरण से विकसित की गई है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव एवं नाबार्ड की सीजीएम श्रीमती सी. सरस्वती भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र का निरीक्षण कर पौधारोपण भी किया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि आधुनिक तकनीक आधारित कृषि समय की आवश्यकता है। आईओटी आधारित प्रिसिजन फार्मिंग से किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने में मदद मिलेगी, जिससे उत्पादन में वृद्धि और लागत में कमी संभव होगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहलें किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही उन्हें जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाती हैं। परियोजना के लिए लगभग 01 करोड़ 40 लाख रुपए का वित्तीय प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत इछावर विकासखंड के 15 गांवों में आत्मनिर्भर महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के 300 शेयरधारकों के साथ प्रिसिजन फार्मिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। इस दौरान 45 स्वचालित संयंत्र स्थापित किए जाएंगे तथा 240 किसानों को मोबाइल आधारित अनुशंसाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जियो कृषि के आईओटी उपकरणों के माध्यम से मिट्टी का तापमान, नमी, मौसम, सूर्य प्रकाश तथा पौधों के स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी एकत्रित की जाएगी। इन आंकड़ों के आधार पर किसानों को खाद एवं सिंचाई के संबंध में सटीक सलाह मिलेगी, जिससे वे घर बैठे अपने खेतों का बेहतर प्रबंधन कर सकेंगे। इससे खेती की लागत में कमी आएगी और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस अवसर पर कृषि उप संचालक श्री अशोक कुमार उपाध्याय, एनआरएलएम के डीपीएम श्री दिनेश बर्फा, उद्यानिकी उप संचालक श्री जगदीश मुजाल्दा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

# पुलिस बैंड प्रस्तुति के माध्यम से आरक्षक (बैंड) भर्ती 2026 का प्रचार-प्रसार

## छावनी नाका आगर में देशभक्ति गीतों से युवाओं को किया प्रेरित

**आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** दिनांक 08 अप्रैल 2026 को पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह के निर्देशन में आगर मालवा जिले के छावनी नाका क्षेत्र में पुलिस बैंड द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी गई। यह प्रस्तुति प्रथम वाहिनी एसएएफ इंदौर की बैंड टीम द्वारा दी गई, जिसका मुख्य उद्देश्य वर्तमान में संचालित आरक्षक (बैंड) भर्ती 2026 का व्यापक प्रचार-प्रसार करना था।

कार्यक्रम के दौरान बैंड टीम द्वारा विभिन्न राष्ट्रभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिससे उपस्थित नागरिकों एवं युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत हुई तथा पुलिस सेवा के प्रति आकर्षण बढ़ा। बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं ने कार्यक्रम में रुचि लेते हुए भर्ती प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह ने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए बताया कि मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक (बैंड) के कुल 679 पदों पर भर्ती की जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि इच्छुक अभ्यर्थी 05 अप्रैल 2026 से 19 अप्रैल 2026 तक एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि सामान्य वर्ग के लिए 10वीं उत्तीर्ण एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 8वीं उत्तीर्ण योग्यता निर्धारित की गई है। उन्होंने युवाओं को बैंड वादन की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर पुलिस बैंड का हिस्सा बनने तथा देश सेवा में योगदान देने हेतु प्रेरित किया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी बताया गया कि भर्ती प्रक्रिया में बैंड वादन परीक्षा का विशेष महत्व है, जिसमें विभिन्न वाद्ययंत्रों जैसे पिकोलो, क्लैरिनेट, ट्रम्पेट, सैक्सोफोन, बिगुल, साइड ड्रम, बेस ड्रम आदि में दक्षता रखने वाले अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में थाना प्रभारी कोतवाली शशि उपाध्याय, थाना प्रभारी अजाक यशवंत राव गायकवाड़, प्रभारी रक्षित निरीक्षक जगदीश यादव, सूबेदार स्टेनो मुख्तियार खान, सूबेदार जितेंद्र शुक्ला सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस लाइन एवं स्थानीय थानों के अधिकारी एवं कर्मचारी व बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

आगर मालवा पुलिस द्वारा युवाओं से अपील की गई है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक संख्या में आवेदन करें एवं पुलिस बैंड का हिस्सा बनकर देश सेवा में अपना योगदान दें।

# नवनियुक्त कांग्रेस जिलाध्यक्ष (अजा प्रकोष्ठ) दिनेश बौद्ध का हुआ गर्मजोशी से स्वागत

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** नवनियुक्त कांग्रेस जिलाध्यक्ष (अजा प्रकोष्ठ) दिनेश बौद्ध का आकस्मिक प्रवास के दौरान गांव भाट पचलाना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ढोल डमाके के साथ हार फूल पहनाकर स्वागत किया। स्वागत करने में एडवोकेट शैलेंद्र परमार वासुदेव परमार रामेश्वर परमार जालम सिंह पप्पू गुरु पूर्व सरपंच भंवर सिंह देवड़ा राजेश मालवीय दौलत चौधरी बंटी मालवी गोपाल सोलंकी देवराज सिंह राठौर पूर्व सरपंच दीपक राठौड़ राहुल चौधरी धर्मेंद्र चौहान ललित चौहान (पत्रकार) पूर्व उपसरपंच नृसिंह परिहार,नगर अध्यक्ष कान्हा मालवीय आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसी प्रकार गांव मलोड़ा में बुद्ध पथ समाचार पत्र के प्रधान कार्यालय पर श्री बौद्ध उपस्थित हुए जहां पर बुद्ध पथ समाचार पत्र के प्रधान संपादक निलेश परमार,उप संपादक विपिन परमार, योगेश परमार ने स्वागत किया तथा बधाईयां देते हुए मंगल कामनाएं व्यक्त्त की, स्वागत करने वालों में बसन्तिलाल पाटीदार,बाबूलाल नेता, संतोष आदी थें। श्री बौद्ध को तिलक लगाकर तथा श्रीफल देकर स्वागत कुमारी कोमल परमार ने अभिनन्दन किया।

नवनियुक्त अध्यक्ष श्री दिनेश बौद्ध ने सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट रहकर बिना गुटबाजी के पार्टी के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का आग्रह किया है। आपके साथ में कांग्रेस के गोविंद सरवटे जहांगीरपुर वीरेंद्र सिंह गोयल, निहाल सिंह डोडिया, मुकेश देवड़ा, नवीन सरवटे, जितेन्द्र सिंह गुर्जर, राहुल सोलंकी युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष,राधेश्याम परमार जनपद सदस्य खरसौद खुर्द,कमल सूर्यवंशी आदी कंई नेता तथा कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित थे।

## छिंदवाड़ा में बाल विवाह रोकथाम हेतु सूचना तंत्र का गठन

**छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास जिला छिंदवाड़ा द्वारा बाल विवाह की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सूचना तंत्र के गठन के निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार बसंत पंचमी, अक्षय तृतीया एवं अन्य अवसरों पर आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलनों एवं व्यक्तिगत विवाह आयोजनों में बाल विवाह की रोकथाम सुनिश्चित की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग, भोपाल के निर्देशानुसार जिले में ग्राम से लेकर जिला स्तर तक सूचना तंत्र का गठन किया गया है। इस तंत्र में ग्राम पंचायत सरपंच को अध्यक्ष तथा ग्राम पंचायत सचिव, पंचायत पंच, ग्राम/वार्ड के सक्रिय नागरिक, शिक्षक, एएनएम (स्वास्थ्य विभाग), आशा कार्यकर्ता, शौर्यादल की अध्यक्ष, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका, मातृ सहयोगिनी समिति अध्यक्ष और संबंधित सेक्टर पर्यवेक्षक को सदस्य बनाया गया है।

# शिक्षा को नई मजबूती-लगभग 10 करोड़ की बड़ी सौगात, अर्चना चिटनिस के प्रयासों से बुरहानपुर और फोफनार में छात्रावास निर्माण को मिली मंजूरी

**बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात मिली है। लगभग 10 करोड़ रुपए की लागत से अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास भवन निर्माण की मंजूरी मिलना क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। यह सफलता विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस की सक्रिय पहल और विकास के विषयों पर पैनी नजर रख उनकी स्वीकृति तक लगातार प्रयासों का परिणाम है। स्वीकृति पर श्रीमती चिटनिस ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग मंत्री नागरसिंह चौहान का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्रीमती अर्चना चिटनिस लंबे समय से क्षेत्र के विद्यार्थियों, विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा और आवासीय सुविधाओं की आवश्यकता को प्रमुखता से उठाती रही हैं। उन्होंने कई बार शासन और संबंधित विभागों के समक्ष यह मुद्दा रखा कि बुरहानपुर के अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल रहने की उचित व्यवस्था के अभाव में अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस गंभीर समस्या को दूर करने के लिए उन्होंने निरंतर प्रयास किए और लगातार इस विषय को प्राथमिकता में रखा। उनकी इसी सतत पहल का परिणाम है कि अब बुरहानपुर जिले में दो महत्वपूर्ण छात्रावासों के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। श्रीमती चिटनिस ने बताया कि बुरहानपुर के फोपनार क्षेत्र में 50 सीटर अनुसूचित जाति प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास के निर्माण के लिए लगभग 499.78 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं जिला मुख्यालय पर 50 सीटर प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास के लिए लगभग 500.02 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। कुल मिलाकर यह लगभग 10 करोड़ रुपए का बड़ा प्रोजेक्ट है, जो क्षेत्र के शिक्षा ढांचे को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। इन छात्रावासों के निर्माण से विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा जो दूर-दराज के गांवों से शिक्षा प्राप्त करने के लिए शहर आते हैं। अब उन्हें सुरक्षित, व्यवस्थित और बेहतर आवासीय सुविधा मिलेगी, जिससे वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। यह पहल न केवल शिक्षा को बढ़ावा देगी, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होगी।

श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो समाज को आगे बढ़ाता है और बच्चों का भविष्य संवारता है। उन्होंने कहा कि उनका हमेशा से प्रयास रहा है कि बुरहानपुर का कोई भी बच्चा संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रह जाए। इसी सोच के साथ वे लगातार शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए काम कर रही हैं और आगे भी इसी तरह जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देती रहेंगी। श्रीमती चिटनिस कहा कि छात्रावासों के निर्माण के बाद क्षेत्र के बच्चों को एक सकारात्मक और प्रेरणादायक माहौल मिलेगा, जिससे उनकी पढ़ाई में सुधार होगा और वे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए और अधिक प्रेरित होंगे।

इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के बाद क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। स्थानीय नागरिकों, अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों ने श्रीमती अर्चना चिटनिस के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे एक दूरदर्शी कदम बताया है। उनका कहना है कि यह निर्णय आने वाले समय में बुरहानपुर के शिक्षा स्तर को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और सैकड़ों विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा।

## अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों हेतु विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित

**आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश के अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों से विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में उच्च शिक्षा एवं शोध उपाधि प्राप्त करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इसमें स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. स्तर के अध्ययन के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। अभ्यर्थियों का चयन वर्तमान में प्रचलित योजना नियमों एवं निर्धारित प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी जनजातीय कार्य विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.tribal.mp.gov.in? पर प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य, 59 आदि भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल अथवा संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास कार्यालय से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जिला स्तर पर अभ्यर्थी सहायक आयुक्त एवं जिला संयोजक, अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कल्याण विभाग, जिला आगर-मालवा, कक्ष क्रमांक 125-128, संयुक्त कार्यालय भवन, आगर-सारंगपुर रोड, आगर-मालवा में उपस्थित होकर योजना संबंधी विस्तृत जानकारी एवं आवेदन प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

## श्रीकृष्ण जन्म भूमि मुक्ति आंदोलन के तहत ब्रह्मपुर पधारे प्रतिनिधिमंडल का ईच्छेश्वर हनुमान मंदिर ट्रस्ट सदस्यो ने किया स्वागत सत्कार

**बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** बुरहानपुर।श्रीकृष्ण जन्म भूमि के लगभग 14 एकड़ भूमि मे से 2ज्50 एकड़ पर किये गए अतिक्रमण के विरुद्ध तत्काल कानूनन कार्यवाही प्रतिदिन सुनिश्चित करने हेतू और 2ज्5 एकड़ का अतिक्रमण हटाने हेतु प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार को जगाने और पूर्व मे किये गए कृष्ण जन्म भूमि से अतिक्रमण हटाकर भव्य श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण हेतू संत समाज अब सड़क पर आ गया है। श्रीकृष्ण जन्म भूमि मुक्ती आंदोलन के लिए चार दिशाओ से निकली जन जागृती यात्रा दूसरे चरण मे 4 अप्रैल को पंढरपुर महाराष्ट्र से निकलकर दक्षिण का द्वार कहे जाने वाले ऐतिहासिक नगरी ब्रह्मपुर मध्यप्रदेश मे 7 अप्रैल को सायंकाल प्रवेश हुआ। 8 अप्रैल बुधवार को सुबह 11 बजे इस भव्य जन जागृति प्रतिनिधिमंडल मे पधारे सभी माताये-बहने गणमान्य जनमानस का प्राचीनकालीन चमत्कारी ईच्छेश्वर हनुमान मंदिर ट्रस्ट के सदस्यगण और पदाधिकारारियो ने स्वागत सत्कार किया और ईच्छैश्वर हनुमान जी चित्र व गीता भेंट की। इस दौरान हेमलाल मोरे,ईश्वर महाजन,अजित परदेशी, शिवकुमार पासी,आलोक मिश्रा,पवन साहू,चेतन चौहान, सन्ना महाजन,कुन्दन भगत,चेतन महाजन,मयूर तिवारी और सुभाष गुर्जर आदी सदस्यगण उपस्थित हुए। उपरोक्त जानकारी महेशसिंह चौहान ने दी।

## परिवहन विभाग के जांच दल द्वारा छिंदवाड़ा-नागपुर मार्ग पर चलाया गया विशेष जांच अभियान

**छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में परिवहन विभाग के विशेष जांच दल द्वारा आज छिंदवाड़ा-नागपुर मार्ग पर संचालित यात्री वाहनों, स्कूल वाहनों एवं अन्य वाहनों की सघन जांच की गई। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी छिन्दवाड़ा श्री अनुराग शुक्ला ने बताया कि वाहनों की जांच में यात्री वाहनों के दस्तावेजों जैसे- वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र एवं वाहन चालक के वैध लाइसेंस आदि की जांच की गई। विशेष जांच दल द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-2027 को दृष्टिगत रखते हुये ऑडिट में बकाया ऐसे वाहन जिस पर म.प्र. मोटरयान कर बकाया है, पर भी वसूली की कार्यवाही सतत् रूप से की जा रही है। जांच के दौरान वाहन क्रमांक एमपी 09 एफए 7896 (स्कूल बस) को रोककर जांच की गई। दस्तावेजों की जांच करने पर वाहन बिना वैध परमिट बारात ले जाते पाई गई। उक्त वाहन पर 35,000 रूपये की चालानी कार्यवाही कर वाहन मुक्त किया गया। 01 डम्पर वाहन क्रमांक एमपी 28 जेडक्यू 8943 ओवरलोड रेत का परिवहन करते पाये जाने पर उक्त वाहन पर 10,000 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई। अन्य कार्यवाही में मोटरयान अधिनियम के तहत कमियां पाये जाने पर कुल सभी 13 वाहनों पर 1,08,500 रूपये की चालानी कार्यवाही कर राजस्व प्राप्त किया गया। साथ ही अन्य वाहन संचालकों/चालकों को समझाईश दी गई कि मोटरयान अधिनियम 1988 के प्रावधानों का उल्लंघन पाये जाने पर विधि अनुसार कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा यात्री बसों के संबंध में उन पर आच्छादित अनुज्ञा पत्र को निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी।

# 350 किमी से अधिक पैदल धम्मयात्रा बुरहानपुर पहुंची

## महाराष्ट्र बॉर्डर से पैदल यात्रा में शामिल हुए दत्तू मेढ़े

**बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** महाराष्ट्र के अकोला जिले से सामूहिक धम्म यात्रा अशोक वाटिका से निकाली गई है जिसकी शुरुआत 28 मार्च से 14 अप्रैल जन्म भूमि महू मैं यात्रा का समापन किया जायेगा जिसमें मुख्य रूप से यात्रा में शामिल प.पु.भिक्खु ज्ञानज्योती महाथेरो के सानिध्य में 350 किलोमीटर पैदल यात्रा तय की गई है ओर उनके साथ इंजिनियर राजश्री इंगले आदि साथी भी मौजूद है ,ओर यह हर वर्ष निकाली जाति है ओर वह महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से होते हुए यात्रा आज बुरहानपुर जिले के इच्छापुर शाहपुर,नेर, भातखेड़ा होते हुए मोहम्मदपुर में विश्राम एवं भोजन दान कार्यक्रम किया गया जिसमें हजारों की संख्या में लोग पहुंचकर धम्मदेशना सुनने को पहुंचे इसके पश्चात गांव को भी सार्वजनी भोजन दान किया गया. जिसमे भंते ने कहा कि बुद्ध ने हमें शांति का संदेश दिया है हमें हर काम को शांतता से करना चाहिए, इसी के दरमियान महाराष्ट्र बॉर्डर से भीम आर्मी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दत्तू मेढ़े भी पैदल बुरहानपुर मोहम्मदपुर तक शामिल रहे, जिसमें आसपास के सभी ग्रामीण जन और वार्ड वाशी भी उपस्थित रहे सभी भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया,गौतम तायड़े, गोकुल तायड़े,प्रेम कोसोदे,धीरेन्द्र सोनवने,जीतू मेढ़े, सुनील तायड़े, जितेंद्र तायड़े, बबलू इंगले,धम्म चैतना बुद्ध विहार मोहम्मदपुरा, ग्राम भातखेड़ा से निर्वाण पानपाटिल,सचिन तायडे राहुल तायडे देवानंद आठवले कपिल तायडे लकी पानपाटिल ललित पान पाटिल पवन तायडे आर्यन तायडे आतिश तायडे अर्जुन तायडे आदि उपस्थित रहे।

# डॉ. दीक्षा पाटकर का नगर परिषद चाँद में हुआ भव्य सम्मान

**छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के विकासखंड चौरई के नगर परिषद चाँद में आज एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतिष्ठित परीक्षा में 88वीं रैंक प्राप्त करने वाली क्षेत्र की प्रतिभाशाली बेटी डॉ. दीक्षा पाटकर का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर पूरे नगर में उत्साह और गर्व का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद के अध्यक्ष ठाकुर दानसिंह पटेल द्वारा की गई। मुख्य अतिथि के रूप में ठाकुर देवेंद्र सिंह (नप उपाध्यक्ष), श्रीमती शीला चौहान (सभापति), सीएमओ सुश्री दिशा डेहरिया, पार्षद श्री राजेन्द्र डेहरिया, श्री राजू लोधी, श्री नीरज पटेल (मंडल अध्यक्ष), डॉक्टर विजेंद्र सिंह, श्री हजारीलाल जैन सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद् एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

# कलेक्टर श्री नारायन द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लिंगा का आकस्मिक निरीक्षण

**छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन द्वारा आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लिंगा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उनके साथ सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार भी साथ थे। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की समस्त व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया गया तथा उपस्थित अधिकारियों एवं विद्यालय स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर द्वारा विद्यालय परिसर, कक्षाओं एवं शौचालयों की साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया गया। साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने एवं परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री नारायन द्वारा स्मार्ट क्लास का निरीक्षण करते हुए स्मार्ट बोर्ड के उपयोग की जानकारी ली गई। उन्होंने निर्देशित किया कि स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम आधारित अध्ययन सामग्री के साथ-साथ सामान्य ज्ञान एवं ज्ञानवर्धक वीडियो भी नियमित रूप से प्रदर्शित किए जाएं, जिससे विद्यार्थियों की समझ एवं रुचि में वृद्धि हो।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। इसके अतिरिक्त कलेक्टर श्री नारायन द्वारा कक्षाओं में शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति पंजी एवं अन्य अभिलेखों का भी अवलोकन किया गया।

# कृषि मंथन 2026 में आकर्षण का केंद्र बना एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल.

**जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कृषि मंथन- 2026 में कृषि विभाग के निर्देशन में युवा कृषक तन्मय दास द्वारा प्रदर्शित सतत एकीकृत कृषि प्रणाली का मॉडल चर्चा का विषय रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के सचिव निशांत बरबड़े ने इस मॉडल का बारीकी से अवलोकन किया और इसकी सराहना करते हुये इसे किसानों की आय दोगुनी करने का सबसे प्रभावी जरिया बताया।

जबलपुर इंजिनियरिंग कॉलेज के इलेक्ट्रिकल इंजियनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्र तन्मय ने पाटन विकासखण्ड के ग्राम लम्हेटा स्थित अपनी करीब साढ़े तीन एकड़ कृषि भूमि पर एकीकृत कृषि प्रणाली को अपनाया है। तन्मय जैविक पद्धति से गेंहू और धान की फसल लेने के साथ पशुपालन, मुर्गी पालन, बतख पालन, बकरी पालन एवं मत्स्य पालन भी कर रहे हैं और हर माह लगभग 80 हजार रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं।

क्या है यह सतत एकीकृत कृषि प्रणाली – सतत एकीकृत कृषि प्रणाली एक ऐसी वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित है जहाँ खेती के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन और बागवानी को एक ही स्थान पर एकीकृत किया जाता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें एक इकाई का अवशेष दूसरी इकाई के लिए संसाधन बन जाता है।

शून्य अपशिष्ट – पशुओं के गोबर से बायोगैस और खाद बनाई जाती है, जिसका उपयोग खेतों में होता है। वहीं, फसलों के अवशेष पशुओं के चारे के काम आते हैं।

लागत में भारी कमी – बाजार से खाद और कीटनाशक खरीदने की जरूरत न्यूनतम हो जाती है, जिससे खेती की लागत घटती है। साल भर आमदनी– केवल फसल कटाई पर निर्भर रहने के बजाय, किसान को दूध, अंडे, फल और सब्जियों के माध्यम से दैनिक या साप्ताहिक आय प्राप्त होती रहती है। पर्यावरण संरक्षण – यह प्रणाली पूरी तरह से प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देती है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है। आत्मनिर्भरता – किसान को खाद, बीज और चारे के लिए बाजार पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। मिट्टी का स्वास्थ्य – रासायनिक खादों की जगह जैविक कचरे और गोबर खाद के उपयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। जोखिम प्रबंधन – यदि किसी कारणवश एक फसल खराब होती है, तो पशुपालन या मत्स्य पालन से किसान की आय सुरक्षित रहती है। कृषि मंथन में प्रदर्शित किये गये सतत एकीकृत कृषि प्रणाली के इस मॉडल को कृषि विभाग के अधिकारियों और विशेषज्ञों की समर्पित टीम ने कड़ी मेहनत से तैयार किया। इस मॉडल की सफलता के पीछे संयुक्त संचालक कृषि के एस नेताम और उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम का कुशल मार्गदर्शन रहा। मॉडल के तकनीकी क्रियान्वयन और प्रदर्शन में अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पंकज शर्मा तथा कृषि विस्तार अधिकारी हितेश ख्यालिया एवं दीपांशु सोनी सराहनीय योगदान रहा। इस मॉडल की सबसे बड़ी विशेषता अंतर्विभागीय समन्वय रही, जिसमें पशुपालन विभाग और मत्स्य विभाग ने सहभागिता निभाते हुए एक पूर्ण कृषि चक्र का जीवंत प्रदर्शन किया।

# हृदय रोगी बच्चों के लिए विशेष शिविर आयोजित, कलेक्टर श्री नारायन ने किया निरीक्षण

**छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार आज जिला अस्पताल स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र छिंदवाड़ा में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के लिए विशेष जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन द्वारा निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की गई।इस दौरान उनके साथ सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार, सिविल सर्जन डॉ सुशील दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। शिविर में मुंबई के नारायणा हॉस्पिटल से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा इको मशीन के माध्यम से बच्चों के हृदय की जांच की गई।

डॉ. संदीप कटारिया एवं डीईआईएम मीता उइके ने बताया कि शिविर में कुल 76 बच्चों की जांच की गई, जिन्हें पूर्व में आरबीएसके टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में स्क्रीनिंग के बाद चयनित कर बुलाया गया था। जांच के पश्चात 30 बच्चों को आगे की सर्जरी के लिए मुंबई स्थित नारायणा हॉस्पिटल भेजा जाएगा।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री नारायन ने उपस्थित चिकित्सकों से आरबीएसके कार्यक्रम की प्रगति एवं उपलब्धियों की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के ऐसे बच्चों को, जो मुंबई जाकर इलाज कराने में असमर्थ हैं, उन्हें हर संभव सहायता प्रशासन के द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी ताकि उनका उपचार सुनिश्चित हो सके।

मुंबई से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया कि आरबीएसके टीम द्वारा की जा रही स्क्रीनिंग अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके बिना हृदय रोगी बच्चों की पहचान एवं उपचार संभव नहीं है। उन्होंने आरबीएसके चिकित्सकों के कार्य की सराहना की। शिविर में आरबीएसके के डॉ. निधि शर्मा, डॉ. अक्षय बोरकर, डॉ. विवेक नागपुरे, डॉ. राखी बुवासे, डॉ. जया जैन, डॉ. सर्वोत्तम ठाकुर एवं डॉ. मेघा वास्त्री सहित अन्य स्वास्थ्य अमला उपस्थित था।

# मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने मेघनगर जनपद में योजनाओं की व्यापक समीक्षा बैठक ली

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जनसुनवाई के दौरान जनपद पंचायत मेघनगर के ग्राम पिपलखूंटा निवासी श्री कालिया पिता लिम्बा डामोर द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत राशि उनके बैंक खाते में जमा होने के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति के खाते में स्थानांतरित कर दी गई है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत को मेघनगर जनपद पंचायत में संचालित विभिन्न योजनाओं की समग्र समीक्षा करने के निर्देश दिए गए।

इसी क्रम में 08 अप्रैल 2026 को जनपद पंचायत मेघनगर के सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत झाबुआ श्री जितेन्द्र सिंह चौहान द्वारा विभाग अंतर्गत संचालित समस्त योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किश्त निर्धारित समयावधि में जारी कर सभी आवासों को शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा पूर्णता प्रमाण पत्र इसी माह जारी किए जाएं। साथ ही जल गंगा संवर्धन से संबंधित सभी कार्यों की समीक्षा कर उन्हें समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

उपसंचालक कृषि द्वारा जानकारी दी गई कि वित्तीय वर्ष 2026-27 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। इस संबंध में ग्राम पंचायत स्तर पर हेल्पडेस्क स्थापित कर किसानों की सहायता सुनिश्चित करने, समस्त किसानों की ई-केवाईसी पूर्ण कराने एवं फार्मर आईडी तैयार करने हेतु सचिवों को कृषि विभाग के साथ समन्वय कर निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

जल संचयन एवं जनभागीदारी से जुड़े सभी कार्य 10 दिवस में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मनरेगा अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए पूर्ण कार्यों के पूर्णता प्रमाण पत्र तत्काल जारी करने तथा अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्वीकृत आंगनवाड़ी भवनों की कार्यवार समीक्षा की गई। जिन कार्यों में प्रथम किश्त प्राप्त हो चुकी है, उन्हें शीघ्र प्रारंभ कर द्वितीय किश्त के प्रस्ताव भेजने तथा जिनमें द्वितीय एवं तृतीय किश्त प्राप्त हो चुकी है, उन्हें पूर्ण कर पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए।

खेत तालाब एवं अन्य जल संरचनाओं के निर्माण कार्यों की ग्राम पंचायत क्लस्टरवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि रिचार्ज पिट 8 दिवस में तथा खेत तालाब 1 माह में पूर्ण किए जाएं। जल संवर्धन एवं जनभागीदारी से जुड़े कार्य भी 10 दिवस में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए जिन कार्यों के द्वितीय किश्त प्रस्ताव लंबित हैं, उन्हें एक सप्ताह में प्रस्तुत करने तथा जिन कार्यों की अंतिम किश्त प्राप्त हो चुकी है, उनके पूर्णता प्रमाण पत्र शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए गए।

विभिन्न योजनाओं के सत्यापन कार्य 15 दिवस में पूर्ण करने तथा मनरेगा ई-केवाईसी कार्य 30 अप्रैल तक शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। 5वें एवं 15वें वित्त आयोग मद अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को एक माह में पूर्ण कर पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने हेतु निर्देशित किया गया। सामुदायिक भवन (4) एवं पंचायत भवन (3) के कार्यों को तत्काल पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

समग्र ई-केवाईसी के लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को नल-जल योजना अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों को विधिवत पूर्ण कर ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए गए।

एक बगिया मां के नाम अभियान अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को समयसीमा में पूर्ण करने तथा सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

# बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर स्कूली बसों की जाँच की लिए विशेष मुहिम जारी

**ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नई शिक्षा सत्र के आरंभ से ही ग्वालियर जिले में बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर स्कूली बसों की जांच के लिए विशेष मुहिम शुरू की गई है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर मंगलवार को परिवहन विभाग की टीम ने स्कूली बसों का चैकिंग अभियान चलाया । अभियान के दौरान 5 बसों सहित एक स्कूल वैन का बीमा एवं फिटनेस नहीं होने पर 26500 रुपए का अर्थदण्ड वसूला गया।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री विक्रम सिंह कंग के निर्देशन में परिवहन विभाग की टीम ने बच्चों को स्कूल ले जाने वाली बसों को रोककर उनकी फिटनेस और अन्य दस्तावेज चैक किए। साथ ही बसों की कंडिशन को देखा, इसके साथ ही बस के अंदर आपातकाल की स्थिति में उपयोग में लाए जाने वाले अग्निशमन यंत्र आदि को चैक किया गया। वाहनों के कागज चैक किए गए, जिसमें 4 बसों का बीमा नहीं मिला, जबकि एक बस का फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं था। इन सभी बसों पर 5-5 हजार रुपए का अर्थदण्ड लगाया गया। इसके साथ ही एक स्कूल वैन चालक के पास दस्तावेज पूरे नहीं होने पर 1500 रुपए का अर्थदण्ड लगाया गया। कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने निर्देश दिए हैं कि छात्रों की सुरक्षा को लेकर स्कूल संचालक लापरवाही नहीं बरतें। बच्चों को स्कूल ले जाने वाली सभी बसों में सुरक्षा उपकरण होने चाहिए, अन्यथा उन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री विक्रम सिंह कंग ने बताया है कि स्कूली छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

# जिला प्रशासन की अभिनव पहल कृषि चौपाल के माध्यम से किसानों से सीधा संवाद स्थापित किये जाने हेतु 9 से 30 अप्रैल 2026 तक अभियान

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में किसानों को अब आसानी से ई टोकन जनरेट करने हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर सहायता केंद्र स्थापित किये गये जहां पर प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार एवं गुरुवार (02 दिवस) में ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, पटवारी एवं सम्बंधित कार्य क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी उक्त दिवसों में किसानों को ई टोकन जनरेट करने एवं आने वाली समस्याओं का निराकरण नियत समय में करेंगे। किसान भाइयो से अपील की जाती है कि वे निर्धारित दिवस एवं स्थान पर कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर ई टोकन प्रणाली की जानकारी से अवगत हो सकते है।

उक्त के सम्बन्ध में कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार आज जनपद पंचायत मेघनगर में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होकर एवं जिले के शेष विकासखंडो के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, ए.डी.इ.ओ., पी.सी.ओ., एस.ए.डी.ओ., ए.इ.ओ., पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायको को गूगल मीट के माध्यम से जिला स्तर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, उप संचालक कृषि श्री नगीन सिंह रावत एवं तकनीकी सहायक जिला सहकारी केंद्र बैंक झाबुआ श्री गोविन्द वर्मा द्वारा ई विकास प्रणाली के माध्यम से ई टोकन जनरेट के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की गई।

कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में खरीफ मौसम के पूर्व विशेष रूप से ई विकास उर्वरक वितरण प्रणाली अंतर्गत ई टोकन के माध्यम से उर्वरक वितरण की जानकारी, नरवाई प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढावा, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनान्तर्गत सिंचाई यंत्रो की जानकारी, मृदा नमूना एकत्रीकरण, संतुलित उर्वरको के उपयोग, कृषि से संबद्ध विभागों जैसे उद्याएनिकी विभाग अंतर्गत संचालित केन्द्रीय योजना पी.एम.एफ.एम.ई. योजना, राज्य स्तर से संचालित योजनाओं, नवीन/उन्नत तकनीकी एवं प्रदाय किये जाने हेतु स्थानीय स्तर पर किसानों से सीधा संवाद स्थापित किये जाने हेतु 09 से 30 अप्रैल 2026 तक कृषि चौपाल का आयोजन समस्त विकासखंडो में कलस्टर स्तर पर किया जाएगा।

कृषि चौपाल कार्यक्रम निर्धारित रूटचार्ट अनुसार प्रति दिवस 02 कलस्टर स्तर पर आयोजित कर कृषि एवं कृषि से संबंद्ध विभागों के तकनीक दलों द्वारा किसानों द्वारा किये जा रहे नवाचार गतिविधियों की जानकारी प्रदाय करते हुए किसानों से सीधा संवाद करेगें। जिसमें उक्त कलस्टर में निकट की ग्राम पंचायतों की शेष ग्राम पंचायतों को शामिल करते हुए किसानों की सहभागिता कराई जाएगी।

# राजपुर जनपद की 34 पंचायतों में कलस्टर अनुश्रवण शिविर संपन्न

**बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के निर्देशन में सुशासन की दिशा में नियमित रूप से क्लस्टर अनुश्रवण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जबुधवार को राजपुर जनपद पंचायत की 34 ग्राम पंचायतों में जिले के 7वे कलस्टर अनुश्रवण शिविर का सफल आयोजन किया गया। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित इन शिविरों में ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया। दो चरणों में हुआ शिविर का आयोजन शिविर का आयोजन दो महत्वपूर्ण चरणों में किया गया।

प्रथम चरण में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक संबंधित ग्राम पंचायतों में नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में पंजी बनाई गई, जिसमें प्राप्त शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया। द्वितीय चरण में ग्राम पंचायत जुलवानिया में कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह, जिला पंचायत सीईओ एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में प्रथम चरण के कार्यों की गुणवत्ता का मूल्यांकन एवं निरीक्षण किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को लंबित आवेदनों को समय-सीमा में पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। शिविर में प्राप्त हुए 1300 से अधिक आवेदन शिविर के दौरान कुल 1396 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 1184 आवेदनों का मौके पर ही संतुष्टिपूर्ण निराकरण कर दिया गया। शिविर की सफलता का उदाहरण ग्राम सालीकला में देखने को मिला, जहाँ सुश्री सलीना बरडे का तत्काल आयुष्मान कार्ड बनाकर नोडल अधिकारी द्वारा सौंपा गया। इन पंचायतों में आयोजित हुए शिविर बकवाडी, छोटी खरगोन, चितावल, जाहुर, खजुरी, कुसमरी, पिपरी बुजुर्ग, रेलवा बुजुर्ग, सांगवीठान, वासवी, अगलगांव, भोरवाडा, बोबलवाडी, देवला, घुसगांव, जुलवानिया, कादवी, मोयदा, रणगांवरोड, रूई, सालखेडा, सांगवीनीम, बघाड, बालसमुद, देवनली, लफनगांव, नागलवाडी बुजुर्ग, नागलवाडी खुर्द, नांदेड, ओझर, सालीकला, टाकली एवं टेमला। प्रमुख सेवाओं से सम्बंधित सेवाओं का हुआ निराकरण शिविर में मुख्य रूप से निम्नलिखित सेवाओं जैसे राजस्व अविवादित नामांतरण, बँटवारा, सीमांकन और भू-अधिकार पुस्तिकाओं का वितरण,स्वास्थ्य के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं ई-केवायसी सामाजिक पेंशन,वित्तीय समावेशन के अंतर्गत इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से मौके पर ही खाते खोले गए और डीबीटी सक्रिय की गई।

## सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत विविध गतिविधियों का आयोजन

**खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शासकीय विधि महाविद्यालय, खरगोन में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, सांस्कृतिक चेतना एवं भविष्य निर्माण को दृष्टिगत रखते हुए 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अंतर्गत दो दिवसीय गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस 'अटूट आस्था और सांस्कृतिक स्वाभिमान' विषय पर निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जबकि द्वितीय दिवस 08 अप्रैल 2026 को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा भगवान शिव की स्तुति एवं भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय इतिहास के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान एवं आध्यात्मिकता की भावना का विकास करना, भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को बढ़ावा देना तथा सनातन धर्म से जुड़ी कलात्मक रुचियों को मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दिग्विजयसिंह मंडलोई की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर श्री चन्द्रत भान त्रिवेदी, सुश्री तृप्ति सोनी, सुश्री तृप्ति जायसवाल, श्री पीएस रावत सहित महाविद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. पूर्णिमा बीसे ने जानकारी देते हुए बताया कि उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सोमनाथ मंदिर पर प्रथम अभिलिखित आक्रमण के एक हजार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह स्मरणोत्सव आयोजित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत सप्ताहभर विविध गतिविधियां संपन्न की जाएंगी। प्रथम चरण में निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता तथा द्वितीय चरण में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं इतिहास से जुड़ी रोचक एवं ज्ञानवर्धक जानकारियां प्राप्त हुईं।

# जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 में कसरावद ब्लॉक प्रथम प्रदेश स्तर पर खरगोन जिला तृतीय स्थान पर

**खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए प्रदेश स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। वहीं जिले के कसरावद विकासखंड ने उत्कृष्ट एवं प्रभावी क्रियान्वयन के दम पर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर जिले को गौरवान्वित किया है।

यह सफलता कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री मिलिंद कुमार नागदेवे के मार्गदर्शन में सुनियोजित कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग तथा जमीनी स्तर पर प्रभावी अमल का प्रतिफल है। प्रशासनिक नेतृत्व के साथ फील्ड अमले, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणजनों की सक्रिय सहभागिता से जल संरक्षण के कार्यों को जनआंदोलन का स्वरूप मिला।

कसरावद विकासखंड ने 7.01 स्कोर अर्जित कर राज्य में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। अभियान के अंतर्गत ब्लॉक में 1,236 लक्षित कार्यों के विरुद्ध 855 कार्य पूर्ण किए गए। कुल 24.10 करोड़ की स्वीकृत राशि में से 20.76 करोड़ (86.1 प्रतिशत) की प्रभावी व्यय-बुकिंग दर्ज की गई, जो वित्तीय प्रबंधन एवं कार्य निष्पादन की उत्कृष्टता को दर्शाती है।

अभियान के दौरान फार्म पोंड, अमृत सरोवर, डग वेल रिचार्ज, जल संरक्षण एवं रिचार्ज, वाटरशेड तथा मरम्मत-रखरखाव जैसे कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। अमृत सरोवर, वाटरशेड एवं मरम्मत कार्यों में 100 प्रतिशत उपलब्धि, फार्म पोंड में 90 प्रतिशत से अधिक तथा डग वेल रिचार्ज में लगभग 86 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई।

# कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पिटोल में HPV वैक्सीनेशन की समीक्षा की

### नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण, अप्रैल माह में शिफ्टिंग के निर्देश

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित करने के उद्देश्य से 28 फरवरी से प्रारंभ किए गए निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण अभियान की प्रगति की समीक्षा हेतु कलेक्टर नेहा मीना ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पिटोल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को अवगत कराया गया कि केन्द्र का टीकाकरण लक्ष्य 1000 बालिकाओं का है, जिसमें से अब तक 480 बालिकाओं को टीका लगाया जा चुका है। इस पर कलेक्टर ने टीकाकरण की गति बढ़ाने, नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक बालिकाओं को अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि नवीन शिक्षण सत्र 1 अप्रैल से प्रारंभ हो चुका है, अतः 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को स्कूलों एवं छात्रावासों के माध्यम से चिन्हित कर टीकाकरण हेतु प्रेरित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिक्षण संस्थाओं से समन्वय स्थापित कर प्रभावी मोबिलाइजेशन किया जाए, जिससे लक्ष्य की समय पर पूर्ति सुनिश्चित हो सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने टीकाकरण के लिए उपस्थित बालिकाओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बालिकाओं से उनके स्वास्थ्य, पढ़ाई एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली और सहज वातावरण में उनसे चर्चा की। कलेक्टर ने बालिकाओं को समझाया कि एचपीवी वैक्सीन उन्हें भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने बालिकाओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए टीकाकरण से जुड़े भ्रांतियों को दूर किया तथा उन्हें निडर होकर टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि यह टीका पूर्णतः सुरक्षित एवं लाभकारी है, और सभी पात्र बालिकाओं को इसका लाभ अवश्य लेना चाहिए।

कलेक्टर ने बालिकाओं से यह भी कहा कि वे अपने मित्रों एवं सहपाठियों को भी टीकाकरण के लिए प्रेरित करें, ताकि अधिक से अधिक बालिकाएं इस अभियान से जुड़ सकें। उन्होंने टीकाकरण के बाद सावधानियों एवं आवश्यक जानकारियों से भी अवगत कराया तथा स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना की। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि वे घर-घर जाकर बालिकाओं एवं उनके अभिभावकों को जागरूक करें तथा टीकाकरण के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करें। साथ ही कलेक्टर ने प्रसूति वार्ड में निरीक्षण कर महिलाओं से चर्चा कर स्वास्थ्य की जानकारी ली।

# ग्वालियर-चंबल संभाग में जन-जन का अभियान बना 'जल गंगा संवर्धन अभियान'

### जनभागीदारी से आकार ले रहीं संरचनायें पेश कर रही हैं जल संरक्षण की नई मिसाल

**ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान ग्वालियर- चंबल संभाग में जन-आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। इस अभियान के तहत जहां एक ओर वर्षों पुरानी जल संरचनाओं को पुनर्जीवित किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर नई जल संरचनाओं का निर्माण कर जल संरक्षण की दिशा में ठोस कार्य किए जा रहे हैं। जनभागीदारी, श्रमदान और जागरूकता के माध्यम से यह अभियान जल संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन संवर्धन का भी माध्यम बन रहा है।

ग्वालियर में ऐतिहासिक बावड़ियां बनीं जल संरक्षण का केंद्र- ग्वालियर शहर में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत तीन ऐतिहासिक बावड़ियों का पुनर्जीवन किया गया है। इन बावड़ियों में प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख लीटर पानी सहेजने की क्षमता विकसित की गई है। सुरक्षा के लिए लोहे के जाल लगाए गए हैं तथा आरओ प्लांट की व्यवस्था भी की गई है, जिससे नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। ग्वालियर दुर्ग स्थित प्राचीन सूरज कुण्ड को स्वच्छ एवं आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। साथ ही जलालपुर कुण्ड और केआरजी कॉलेज की बावड़ी की साफ-सफाई भी कराई जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अभियान ने गति पकड़ी है। जिले में कुल 2300 जल संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य है, जिनसे लगभग 31.50 लाख घन मीटर जल संरक्षित होगा। अब तक 71 खेत तालाब और 249 कुओं के रिचार्ज कार्य पूर्ण हो चुके हैं।

शिवपुरी में 587 ग्राम पंचायतों में जनसहभागिता से कार्य- शिवपुरी जिले की सभी ग्राम पंचायतों में तालाबों की सफाई, गहरीकरण, गाद निकासी और पेयजल व्यवस्था जैसे कार्य जनसहयोग से किए जा रहे हैं। विभिन्न ग्राम पंचायतों में अभियान की शुरुआत के साथ ही ग्रामीण स्तर पर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ी है।

# कलेक्टर ने पिटोल आंगनवाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण

### जर्जर भवन पर जताई नाराजगी, वैकल्पिक व्यवस्था एवं सुधार के दिए सख्त निर्देश

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर नेहा मीना द्वारा पिटोल स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी भवन की जर्जर एवं असुरक्षित स्थिति सामने आने पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में बच्चों को केन्द्र में बैठाना उनकी सुरक्षा के साथ समझौता है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आंगनवाड़ी केन्द्र को तत्काल प्रभाव से किराये के उपयुक्त एवं सुरक्षित भवन में शिफ्ट किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को वैकल्पिक भवन की शीघ्र व्यवस्था कर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों को सुगम एवं सुरक्षित वातावरण में सेवाएं मिल सकें।

निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि केन्द्र में समूह के माध्यम से प्रदाय किया जाने वाला भोजन नियमित रूप से उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। इस पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित समूह के विरुद्ध टर्मिनेशन नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों के पोषण से जुड़ी सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसके अतिरिक्त आंगनवाड़ी केन्द्र में समुचित व्यवस्थाओं का अभाव एवं बच्चों की अपेक्षाकृत कम उपस्थिति भी पाई गई। कलेक्टर ने इस पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त करते हुए दोनों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि क्षेत्र में सर्वे कर अधिक से अधिक बच्चों को केन्द्र से जोड़ा जाए तथा नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आंगनवाड़ी केन्द्रों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा पोषण आहार वितरण, बच्चों की उपस्थिति, स्वच्छता एवं आधारभूत सुविधाओं की सतत समीक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी रूप से पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री आर. एस. बघेल, संबंधित सुपरवाइजर, सचिव एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा )

# शंकराचार्य चौराहा, खाक चौक चौराहा, बडऩगर मार्ग पर अंडरपास बनाने की कार्य योजना तैयार करें- संभागायुक्त

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत निर्माणाधीन घाट निर्माण, सड़क चौड़ीकरण और नवीन सर्किट हाउस निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ महापर्व में श्रद्धालुओं की भीड़ के दवाब को देखते हुए शिप्रा नदी के समीप शंकराचार्य चौराहा और मंगलनाथ मार्ग खाक चौक चौराहा पर अंडरपास बनाने के लिए प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों के नियमित निरीक्षण के दौरान बुधवार को मंगलनाथ स्थित ब्रिज से शिप्रा नदी के किनारे निर्माणाधीन घाट निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। संभागायुक्त श्री सिंह घाट निर्माण के पहले शिप्रा नदी में गाद (गीली मिट्टी) निकालने की कार्रवाई को देखा। यहां पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार नदी से गाद (गीली मिट्टी)को नदी से बाहर निकालने के लिए डेमो कार्रवाई की जा रही है। जिससे शिप्रा नदी में जमी गाद (गीली मिट्टी) को निकालने के लिए व्यवस्था बनाकर कार्य सुचारू रूप से किया जा सके। संभागायुक्त श्री सिंह ने घाट पर आने-जाने के मार्ग निर्धारित करने के निर्देश दिए।

संभाग आयुक्त श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने मंगलनाथ क्षेत्र के बाद खाक चौक चौराहा का निरीक्षण किया। संभागायुक्त श्री सिंह ने मंगलनाथ क्षेत्र का प्रमुख खाक चौक चौराहा पर सिंहस्थ 2028 के दौरान विभिन्न अखाड़ों की पेशवाई निकलने के समय भीड़ का दवाब कम करने और सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौराहा पर अंडरपास (भूमिगत मार्ग)और अन्य वैकल्पिक मार्ग के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश यू.डी.ए. सीईओ श्री संदीप सोनी को दिए।

# महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुए क्रिकेटर सुनील जोशी और अभिनेत्री उल्का गुप्ता

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार सुबह होने वाली भस्म आरती में देश की जानी-मानी हस्तियों ने शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया।

आज सुबह महाकालेश्वर मंदिर में पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील जोशी ने प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर बाबा महाकाल के दर्शन किए। उन्होंने मंदिर परिसर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देश और समाज की खुशहाली की कामना की। इसी तरह टीवी एवं फिल्म अभिनेत्री उल्का गुप्ता भी महाकाल की नगरी पहुंचीं और भस्म आरती में सम्मिलित होकर भगवान महाकाल के दर्शन लाभ लिए। उन्होंने भी श्रद्धा भाव से पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।उल्लेखनीय है कि मंदिर में रोजाना होने वाली भस्म आरती में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। विशेष अवसरों के साथ-साथ आम दिनों में भी यह आरती आस्था का प्रमुख केंद्र बनी हुई है, जहां आमजन के साथ-साथ कई प्रसिद्ध हस्तियां भी बाबा महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाती रहती हैं।

## विवादित प्रश्न पूछने वाले पेपरसेटर के खिलाफ कड़ी कार्यवाही

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की सोमवार को संपन्न बीकॉम, बीबीए और बीसीए तृतीय वर्ष की फाउंडेशन परीक्षा में पूछे गए एक विवादित प्रश्न पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस मामले में गठित परीक्षा समिति की जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी पेपरसेटर के विरुद्ध तत्काल प्रभाव से दंडात्मक कार्रवाई निर्धारित की गई है। कुलसचिव डॉ. शर्मा ने बताया कि परीक्षा समिति ने प्रश्नपत्र (कोड- के-1041 एबी) के भाषा एवं संस्कृति खंड का सूक्ष्मता से परीक्षण किया। समिति ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि विवादित प्रश्न आधिकारिक पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं था। यह प्रश्न पूरी तरह से पेपरसेटर द्वारा अपने स्तर पर जोड़ा गया था, जो नियमों का उल्लंघन है। डॉ. शर्मा ने बताया कि परीक्षा समिति की अनुशंसा को गंभीरता से लेते हुए विश्वविद्यालय ने जो निर्णय लिए हैं, उसके अंतर्गत संबंधित पेपरसेटर को भविष्य के लिए विश्वविद्यालय के सभी कार्यों से प्रतिबंधित करने हेतु शोकाज नोटिस जारी करके ब्लैकलिस्ट करने की कार्यवाही की जा रही है। कुलसचिव डॉ. शर्मा ने बताया कि पेपरसेटर द्वारा स्वविवेक से आपत्तिजनक प्रश्न को शामिल करने के कृत्य को गंभीर कदाचरण मानते हुए यह कठोर कार्यवाही की जा रही है।

# रीगल टॉकीज की जगह ओपन सेंट्रल प्लाजा प्रोजेक्ट का काम शुरू

**दो दशक की कानूनी लड़ाई के बाद जमीन मिली, खुदाई तेज—शहर को मिलेगा आधुनिक कॉम्प्लेक्स और पार्किंग**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र में स्थित रीगल टॉकीज की जमीन अब नए रूप में विकसित होने जा रही है। लंबे समय से विवादों और उपेक्षा का शिकार रही इस जमीन पर अब ओपन सेंट्रल प्लाजा का निर्माण तेज गति से शुरू हो गया है। करीब 25.51 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह प्रोजेक्ट शहर के व्यापार और यातायात दोनों के लिए अहम साबित होगा।

नगर निगम द्वारा स्वीकृत इस योजना के तहत पहले पुरानी रीगल टॉकीज की इमारत को पूरी तरह ध्वस्त किया गया। इसके बाद अब निर्माण स्थल पर तेजी से खुदाई का कार्य जारी है। इंदौर की श्यामा डेवलपर्स कंपनी को निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई है और तय समयसीमा में प्रोजेक्ट पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। करीब 1263 वर्गमीटर में ओपन प्लाजा विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही एल-शेप डिजाइन में बेसमेंट और दो मंजिला कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। ग्राउंड फ्लोर पर 28 दुकानें, पहली मंजिल पर 8 दुकानें और 9 शोरूम/ऑफिस तैयार होंगे। इसके अलावा दो बेसमेंट में 92 कार और 200 बाइक की पार्किंग सुविधा विकसित की जाएगी, जिससे क्षेत्र में पार्किंग की समस्या काफी हद तक दूर होगी।

सुप्रीम कोर्ट तक चली लड़ाई, 20 साल बाद मिला रास्ता- इस जमीन को विकसित करने के लिए नगर निगम को लंबी कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। वर्ष 2004-05 में इमारत को हटाने का ठेका दिया गया था, लेकिन ठेकेदार कंपनी द्वारा कार्य अधूरा छोड़ने के बाद मामला कोर्ट में चला गया। कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया गया, लेकिन विवाद वर्षों तक चलता रहा। अंततः सुप्रीम कोर्ट से नगर निगम के पक्ष में फैसला आने के बाद अब करीब 20 साल बाद इस जमीन का उपयोग संभव हो पाया है।

ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत - ओपन सेंट्रल प्लाजा बनने से गोपाल मंदिर, छत्री चौक और आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। पार्किंग की पर्याप्त सुविधा मिलने से सड़क किनारे खड़े वाहनों की समस्या कम होगी और जाम की स्थिति में भी राहत मिलेगी।

2023 में बनी डीपीआर, अब जमीन पर दिखा असर- इस प्रोजेक्ट की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट वर्ष 2023 में तैयार की गई थी। लंबे इंतजार और कानूनी अड़चनों के बाद अब यह योजना धरातल पर उतरती नजर आ रही है।

## 10 अप्रैल को उज्जैन में नहीं होगी पानी सप्लाई, नर्मदा लाइन जोड़ने के कार्य के चलते शटडाउन

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहरवासियों को 10 अप्रैल को पानी की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। नगर में इस दिन पूरे शहर में जलप्रदाय बंद रहेगा। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे एक दिन पहले ही पानी का पर्याप्त भंडारण कर लें, ताकि परेशानी से बचा जा सके। दरअसल, गंभीर नदी से गऊघाट तक आ रही मुख्य राइजिंग मेन लाइन में नर्मदा लाइन जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य को पूरा करने के लिए 9 अप्रैल को शटडाउन लिया जाएगा। इसी कारण 10 अप्रैल को पूरे शहर में पानी सप्लाई बंद रहेगी।यह नर्मदा परियोजना के दूसरे चरण का सुधार कार्य है। इससे पहले भी पिछले महीने इसी कार्य के चलते शटडाउन लिया गया था, जिसके कारण कई इलाकों में पानी की किल्लत देखी गई थी। हालात ऐसे बने थे कि लोगों को हैंडपंपों का सहारा लेना पड़ा था। नगर निगम प्रशासन ने इस बार पहले से सूचना जारी कर नागरिकों को सतर्क किया है, ताकि वे समय रहते जरूरी इंतजाम कर सकें।

## मंगलनाथ मंदिर में उमड़े भक्त... एक दिन में 4 लाख से अधिक की आय

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कल मंगलवार को मंगलनाथ मंदिर में दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ी और सुबह से शाम तक लोगों ने भात पूजा सहित अन्य पूजा करवाई। इसके माध्यम से मंदिर समिति को एक ही दिन में 4 लाख ×2 हजार 500 रुपए की आय हुई। मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक के.के. पाठक ने बताया कि मंगलवार सुबह 7 बजे आरती के बाद से ही भात पूजन, भूमि प्राप्ति, धन प्राप्ति, शीघ्र विवाह, यश प्राप्ति, मंगल दोष निवारण और रोग निवारण जैसी विशेष पूजाओं के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु लगातार पहुंचते रहे। दोपहर तक पूजाओं का क्रम बिना रुके चलता रहा। मंदिर के पुजारियों ने यजमानों की पूजाएं विधि-विधान और मंत्रो'चार के साथ कराई। पूजाओं के लिए कंप्यूटरीकृत और मैन्युअल दोनों तरह की शासकीय रसीदें जारी की गई। मंदिर में आने वाले दिव्यांग और असहाय श्रद्धालुओं को कर्मचारियों द्वारा दर्शन कराए गए।

## पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से सुबह शहर में तेज बारिश हुई

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** वेस्टर्न डिस्टर्बेन्स के कारण बुधवार सुबह से घने बादल छाए और फिर लगभग आधा घंटा तेज बारिश हुई। इसके कारण सुबह मौसम में ठंडक बढ़ गई और गर्मी से राहत मिली। इस दौरान सडक़ों पर लोग बारिश से बचने के लिए छाते में नजर आए।

वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण मालवा में कम दबाव का क्षेत्र बना है। इसका असर 24 घंटे बना रहने के आसार है। इसी के कारण कल शाम से ही बादल छाए और आज सुबह भी यही स्थिति थी। 8 बजे के लगभग शहर के अधिकांश इलाकों में तेज बारिश हुई। करीब आधा घंटे यह क्रम चला। शहर की सडक़ें भीग गई थी और लोग सुबह पानी से बचने के लिए छाते में भी नजर आ रहे थे।

## ज्ञानोदय विद्यालय में कक्षा 7वीं से 9वीं तक प्रवेश के लिए 24 अप्रैल को होगी प्रवेश परीक्षा

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय, लालपुर में नए शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं की रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है।

विद्यालय प्राचार्य ने बताया कि इच्छुक छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का पूर्व कक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक या ए, बी ग्रेड में उत्तीर्ण होना अनिवार्य रखा गया है। चयन प्रक्रिया प्रवेश परीक्षा के आधार पर मेरिट के अनुसार की जाएगी। विद्यालय में 90 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित हैं, जबकि शेष 10 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग के बीपीएल कार्ड धारकों के लिए निर्धारित की गई हैं।

इच्छुक अभ्यर्थी 21 अप्रैल तक आवेदन पत्र विद्यालय कार्यालय समय में प्राप्त कर वहीं जमा कर सकते हैं।

प्रवेश परीक्षा 24 अप्रैल 2026 को सुबह 10 बजे आयोजित की जाएगी। आवेदन के साथ पूर्व कक्षा की अंकसूची, जाति प्रमाण-पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो तथा अन्य वर्ग के अभ्यर्थियों को बीपीएल कार्ड की प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

## पोर्टल पर बुकिंग बंद, गैस एजेंसियों पर घंटों इंतजार करना पड़ रहा उपभोक्ताओं को

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** घरेलू गैस की बुकिंग अब पोर्टल पर नहीं हो रही है। एजेंसी पर जा कर उपभोक्ताओं को बुकिंग कराने के लिए घंटो इंतजार करना पड़ रहा है। वहां लोगों के बैठने व पीने के पानी तक के इंतजाम नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले एक महीने से खाड़ी युध्द के चलते देश सहित शहर में घरेलू गैस सिलेंडर आसानी से उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। हालत यह है कि अब सिलेंडर की ऑनलाईन बुकिंग भी पोर्टल पर नहीं हो रही है। मजबूरी में लोगों को एजेंसी पर जाकर बुकिंग कराना पड़ रही है। यहां भीड़ अधिक होने से लोगों को कई घंटे एजेंसियों के सामने धूप में खड़े रहना पड़ रहा है। बैठने और पीने के पानी की व्यवस्था भी नहीं है। इस कारण एजेंसियों के आगे लोगों की भीड़ लगने से सडक़ों पर जाम लग रहा है।

## नीलगाय से टकराकर पलटी कार, बालक की मौत

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शादी में शामिल होने आए चार भाइयों की कार मंगलवार बुधवार रात नीलगाय से टकराकर पलटी खा गई। हादसे में 12 साल के बालक की मौत हो गई। तीन भाई गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिनका उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है। नागदा के बोरखेड़ा में रहने वाला विकास पिता बाबूलाल बनड़ा 12 साल अपने भाई माखन, संजू और अरुण के साथ उन्हेल के ग्राम सुरजाखेड़ी में रहने वाले काका के लड़के की शादी में शामिल होने के लिए कार से आया था। रात में शादी का कार्यक्रम पूरा होने के बाद चारों कार भाइयों के साथ शादी में शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में बलड़ा मोड़ पर अचानक कार के सामने नीलगाय आ गई। कार चला रहे माखन का संतुलन बिगड़ गया और नीलगाय से टकराने के बाद कार पलटी खाकर सड़क किनारे खंती में जा गिरी। आसपास के ग्रामीण मदद के लिए पहुंचे। कार में सवार चारों को बाहर निकाला गया लेकिन 12 साल के विकास की मौत हो चुकी थी। वहीं तीन घायलों को उपचार के लिए उज्जैन लाया गया। जहां उनकी हालत गंभीर होने पर परिजन निजी अस्पताल लेकर गए हैं। कोतवाली थाना पुलिस में बुधवार सुबह मृतक बालक का पोस्टमार्टम कराया।

## आगर से बचने के लिए लाया था गांजा, गिरफ्तार

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** गांजा बेचने की फिराक में निकले युवक को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा, 2 किलो गांजा बरामद होने पर युवक ने आगर से लाना कबूल किया। युवकों न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेजा गया है। पंवासा थाना प्रभारी गमरसिंह मंडलोई ने बताया कि मंगलवार रात सूचना मिली थी कि एक युवक बाइक से गांजा बेचने की फिराक में ग्राम खजुरिया कुमावत मोड़, मक्सी रोड पर आने वाला है। पुलिस ने घेराबंदी की कुछ देर में ही बाइक से आए युवक को देख शंका होने पर उसे घेराबंदी कर पकड़ा गया, उसकी बाइक पर एक थेली थी जिसकी तलाशी लेने पर उसमें रखा 2 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हो गया। पूछताछ करने पर युवक का नाम हेमंत पिता मदनलाल कुमावत 35 वर्ष, निवासी ग्राम खजुरिया कुमावत, मक्सी रोड, उज्जैन बताया। आरोपी से उक्त मादक पदार्थ रखने संबंधी कोई वैध दस्तावेज/लाइसेंस नहीं पाया गया। जिसके चलते युवक के खिलाफ मादक पदार्थ तस्करी की धारा में प्रकरण दर्ज किया गया पूछताछ में उसने गांजा आगर से बचने के लिए लाना कबूल किया, बुधवार दोपहर पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

## युवक की चाकू घोंपाकर हत्या करने वाला बदमाश गिरफ्तार

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पुराने विवाद में युवक के सीने में चाकू घोपकर हत्या करने वाले आरोपी को चार दिन बाद पुलिस ने बुधवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। आरोपी चार दिन से पुलिस को चकमा देकर फरारी काट रहा था।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के उद्योगपुरी क्षेत्र में 5 अप्रैल की शाम ढांचा भवन में रहने वाले केवल उर्फ केके पिता राजेन्द्र श्रीवास्तव की सीने में चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। सीसीटीवी कैमरे की मदद से चाकू घोपने वाले की पहचान हिस्ट्रीशीटर बदमाश शेखर टंटा के रूप में हुई थी जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास पुलिस द्वारा किए जा रहे थे। चार दिनों से ही शहर में अलग-अलग जगह छिपकर चकमा दे रहे शेखर को पुलिस ने बुधवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। उससे हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया है। थाना प्रभारी गजेंद्र पचोरिया के अनुसार बदमाश शेखर के खिलाफ 18 से अधिक मामले दर्ज हैं। वहीं मृतक केवल श्रीवास्तव भी आपराधिक प्रवृत्ति का था जिसके खिलाफ 10 मामले दर्ज थे। मृतक और हत्या का आरोपी दोनों पूर्व में एकसाथ आपराधों को अंजाम भी दे चुके थे। दोनों के बीच शराब के नशे में विवाद हुआ था। इसी के चलते शेखर ने केवल को चाकू मारा था।

8 दिन पहले हुई हत्या के आरोपी भी गिरफ्तार- 8 दिन पहले आगर रोड शराब दुकान के पास लिफ्ट मांगने की बात को लेकर बेगमबाग कॉलोनी में रहने वाले भुरू उर्फ आरिफ की तीन लोगों ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी। चिमनगंज थाना पुलिस ने चंद घंटों में एक आरोपी मोनू उर्फ दीपांशु निवासी शिवशक्ति नगर को गिरफ्तार कर लिया था। उसके दो साथी रेहान मंसूरी और लक्की निवासी गांधी नगर फरार चल रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने इंदौर में दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। बुधवार दोपहर दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है।

## किराए पर ट्रक लेकर बेचने वाले पिता पुत्र को धोखाधड़ी में भेजा जेल

**उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पिता-पुत्रों ने मिलकर पहले ट्रक का सौदा कर दिया। कुछ दिनों बाद उसी ट्रक को किराये पर लिया और कुछ महिनों बाद ठिकाने लगा दिया। मामला पुलिस के पास पहुंचा तो धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया। पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील में बताया कि अम्बर कालोनी में रहने वाले महेशप्रसाद तिवारी ने जनवरी 2025 में नलियाबाखल में रहने वाले शिवनारायण प्रजापत से ट्रक क्रमांक एमपी 09 एचजी 3310 का 4 लाख में सौदा किया था। अनुबंध के बाद ट्रांसफर फार्म 29-30 पर शिवनारायण ने पुत्र गोपाल प्रजापत के हस्ताक्षर कराये और ट्रक पुत्र के नाम होना बताया। महेशप्रसाद ने 4 लाख रूपये दे दिये। कुछ दिनों बाद शिवनारायण ने उक्त ट्रक 11 हजार रूपये प्रतिमाह किराये पर ले लिया। 3 माह तक किराया दिया। उसके बाद किराया देना बंद कर दिया। महेशप्रसाद तिवारी ने ट्रक वापस लौटाने को कहा तो पिता-पुत्र आनाकानी करने लगे। लम्बे समय तक ट्रक नहीं मिला तो मामले की शिकायत आवेदन के माध्यम से दर्ज कराई गई। पुलिस ने जांच के बाद मामले में 6 अप्रैल को पिता-पुत्र के खिलाफ धोखाधड़ी की धारा 318 (4), 316 (2), 3 (5) का प्रकरण दर्ज किया। दोनों पिता-पुत्र को हिरासत में लिया गया और पूछताछ की गई तो पता चला कि किराये पर ट्रक लेने के बाद 3 लाख रूपये में सुपर आटो गैरेज को स्कैप में बेच दिया था। थाना प्रभारी के अनुसार ट्रक बेचने का खुलासा होने पर दोनों पिता-पुत्र को न्यायालय में पेश कर में भेजा गया है।

# शहर में आवागमन को बाधित करने वाले अतिक्रमणों पर कार्यवाही करें- कलेक्टर

**स्मार्ट सिटी द्वारा 10 लाख पौधों के रोपण की कार्ययोजना में छायादार पौधों के रोपण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।**कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में नगर निगम और स्मार्ट सिटी के कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक बुधवार शाम कलेक्टर कार्यालय सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने शहर में आवागमन को बाधित करने वाले अतिक्रमणों का चिन्हांकन कर कार्यवाही करने के निर्देश नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा को दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने स्मार्ट सिटी द्वारा 10 लाख पौधों के रोपण की कार्ययोजना में छायादार पौधों के रोपण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए है। साथ ही सामाजिक संस्थाओं को भागीदार बनाकर पौधारोपण के पश्चात रख-रखाव और उक्त पौधों की सुरक्षा के लिए भागीदार बनाने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने शहर में किए जा रहे सीवरेज प्रोजेक्ट के कार्य की एजेंसी को क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिए, जिससे 1.2 कि.मी. प्रतिदिन पाइपलाईन बिछाने का कार्य का लक्ष्य सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने संपत्ति कर, वाहन पार्किंग से आय बढ़ाने के निर्देश नगर निगम को दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम को व्यावसायिक संपत्तियों का चिन्हांकन पुन~ करने के निर्देश दिए।

अपशिष्ट प्रबंधन और प्रोसेसिंग प्लांट्स की क्षमताएं बढ़ानें के निर्देश दिए- बैठक में नगर निगम द्वारा शासकीय योजनाओं के क्रियांवयन के लिए किए गए कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में मौजूदा अपशिष्ट प्रबंधन और प्रोसेसिंग प्लांट्स की क्षमताएं बढ़ानें और फ्लावर वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट्स की क्षमता बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर श्री सिंह ने सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत श्रद्धालुओं द्वारा छोडे गए कपडों, जूते आदि के लिए भी कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने चरक भवन में सीवरेज लाईन का कार्य तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में पीएम आवास, पीएम स्वनिधि 2.0, स्वच्छ भारत मिशन 2.0, दीनदयाल चलित रसोई योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, उज्जैन शहर की जलप्रदाय योजना, अमृत मिशन 2.0 अंतर्गत सीवरेज लाईन का कार्य, नेशनल क्लिन एयर प्रोग्राम आदि योजनाओं के क्रियांवयन की समीक्षा की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि पीएम आवास योजना अंतर्गत 95.79 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। अभी तक 11083 आवास पूर्ण हो चुके है। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत 55 नवीन शौचालय बनाए जा रहे है। पीएम स्वनिधि 2.0 योजना अंतर्गत 15 हजार रुपए राशि के 984, 25 हजार रुपए राशि के 4526 और 50 हजार रूपए राशि के 1475 प्रकरण स्वीकृत कर हितग्राहियों को लाभ दिया गया है। दीनदयाल चलित रसोई योजना अंतर्गत नगर निगम के आश्रय स्थलों और अन्य जगहों पर संतुलित आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत लक्ष्यानुसार शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

शहर की जल प्रदाय स्त्रोतों में जरुरत होने पर शिप्रा बैराज से भी जल ले सकेंगे- बैठक में उज्जैन शहर की जल प्रदाय स्त्रोतों के बारे में बताते हुए आगामी ग्रीष्म ॠतु में जल प्रदाय की योजना की जानकारी दी गई। बैठक में जानकारी दी गई कि आज दिनांक तक गंभीर बांध में 814.31, साहिबखेडी जलाशय में 137.5, उंडासा में 20.12 एम.सी.एफटी. जल उपलब्ध है। जरुरत होने पर शिप्रा बैराज से जल उपलब्ध रहेगा। बैठक में जानकारी दी गई कि शहर में 1787 हैंड पंप, 363 सिंगल फेस पंप, 20 में से 20 बूस्टर पंप चालू है। बैठक में सीवरेज पाइप लाईन बिछाने के कार्य की समीक्षा की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि इंदिरागांधी चौराहे से चामुंडा माता मंदिर तक पाइपलाईन शिफ्टिंग का कार्य 95 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुका है। चरक भवन में सीवरेज पाइपलाईन बिछाने का कार्य प्रगतिरत है। बैठक में स्मार्ट सिटी द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 10 लाख से अधिक पौधों के रोपण की कार्ययोजना भी प्रस्तुत की गई। कार्ययोजना में जानकारी दी गई कि शहर के जलाशयों और शिप्रा नदी के किनारे 2 लाख 20 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने पौधारोपण के संबंध में निर्देश दिए कि जिला वन मंडलाधिकारी श्री अनुराग तिवारी से समन्वय कर पौधारोपण का कार्य करें। बैठक में जानकारी दी गई कि विक्रम व्यापार मेले से 06 करोड़ 35 लाख, वाहन पार्किंग से 1 करोड़ 24 लाख की आय नगर निगम को प्राप्त हुई है।

अवंति महिला आंत्रप्रेन्योर डेवलपमेंट अंतर्गत महिलाओं के स्टार्टअप को प्रोत्साहित किया जा रहा- बैठक में नेशनल क्लिन एयर प्रोग्राम अंतर्गत किए जा रहे 4 कार्यों को समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में स्मार्ट सिटी द्वारा जानकारी दी गई कि उज्जैन इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा प्रथम बेच में 20 स्टार्ट-अप ऑनबोर्ड किए गए है। उक्त स्टार्ट-अप एग्रीटेक, वेस्ट मैनेजमेंट, एजुकेशन टेक, ए-आई, सिंहस्थ 2028 क्राउड मैनेजमेंट आदि पर कार्य कर रहे है। 25 मार्च 2026 को प्रारंभ की गई अवंति महिला आंत्रप्रेन्योर डेवलपमेंट अंतर्गत महिलाओं के स्टार्टअप को प्रोत्साहित किया जा रहा है।